E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 150 | गुवाहाटी | मंगलवार, 26 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

जम्मू-कश्मीर के युवा प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से मुलाकात की पेज 2
जय अल्फा स्वाधीन कहने वाला युवक गिरफ्तार पेज 3
गैर सिखों के नाम ना काटने पर लोस चुनाव में सरकार का विरोध करेंगे सिख पेज 5
भारत-दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट आज से, जीत से शुरूआत करने उतरेगी भारतीय टीम पेज 7

कानून बने भारतीय न्याय संहिता बिल, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय न्याय संहिता 2023 के तीनों बिलों को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही तीनों विधेयकों को कानून बन गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्रालय जल्द ही नोटिफिकेशन जारी कर सकता है। बता दें कि अंग्रेजों के शासन काल से चले आ रहे करीब 150 वर्ष पुराने कानूनों में मोदी सरकार ने बड़े बदलाव किए हैं। इंडियन पीनल कोड (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता बिल 2023, सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 को सदन में रखा गया था। इन विधेयकों को अगस्त में हुए संसद के मानसून सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में रखा था। बाद में तीनों बिलों को रिव्यू के लिए संसदीय स्थायी समिति के पास भेजा गया था। पिछले सप्ताह विधेयकों का नया संस्करण लाया या। तीन नए बिलों को पेश करने के दौरान अमित शाह ने कहा कि इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर विचार करने का उद्देश्य आपराधिक कानूनों में सुधार करना है। आईपीसी में फिलहाल 511 धाराएं हैं। इसके स्थान पर भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद इसमें 356 धाराएं रह जाएंगी। यानी 175 धाराएं बदल जाएंगी। भारतीय न्याय संहिता में 8 नई धाराएं जोड़ी गई हैं, 22 धाराएं हटाई गई हैं। इसी तरह सीआरपीसी में 533 धाराएं रह जाएंगी। 160 धाराएं बदलेंगी, 9 नई जुड़ेंगी, 9 खत्म होंगी। सुनवाई तक पूछताछ वीडियो कांफ्रेंस के जरिए करने का प्रावधान होगा, जो पहले नहीं था। सबसे बड़ा बदलाव ये है कि अब ट्रायल कोर्ट को हर फैसला अधिकतम 3 साल के भीतर देना होगा। देश में 5 करोड़ केस पेंडिंग हैं। इनमें से 4.44 करोड़ मामले ट्रायल कोर्ट में हैं। इसी तरह जिला अदालतों में जजों के 25,042 पदों में से 5,850 पद खाली हैं। भड़काऊ भाषण और हेट स्पीच को अपराध के दायरे में लाया गया है। अगर कोई इंसान ऐसे भाषण देता है तो उसे तीन साल की सुनाई जाएगी। इसके साथ जुर्माना भी लगेगा। अगर भाषण किसी धर्म या वर्ग के खिलाफ होता है तो 5 साल की सजा का प्रावधान है। नए बिल के तहत गैंगरेप के दोषियों को 20 की सजा या आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा सकती है। अगर दोषी 18 साल से कम उम्र की बच्ची के साथ ऐसा करता है तो उसे मृत्युदंड देने का प्रावधान है। अगर 5 या इससे ज्यादा लोगों का समूह किसी की जाति, समुदाय, भाषा और जेंडर के आधार पर हत्या करता तो हर दोषी को मौत या कारावास की सजा दी जाएगी। वहीं, इस मामले से जुड़े दोषी को कम से कम 7 साल की सजा के साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है। भगौड़े देश में हों या नहीं, दोनों की मामलों में ट्रायल जारी रहेगा। उनकी सुनवाई होगी और सजा सुनाई जाएगी। नए बिल में एक बड़ा प्रावधान यह भी जोड़ा गया है कि अगर दोषी को मौत की सजा दी जाती है तो उसकी सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकेगा। अगर किसी मामले में संपत्ति की कुर्की होती है तो उसका आदेश कोर्ट देगा, पुलिस का कोई अधिकारी नहीं। आम इंसान को एक क्लिक पर मुकदमों की जानकारी मिल सकेगा, इसलिए 2027 तक देश की सभी कोर्ट को ऑनलाइन कर दिया जाएगा ताकि मुकदमों का ऑनलाइन स्टेटस मिल सके। किसी भी मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया जाता है तो उसकी सूचना परिवार को देना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं, 180 दिन के अंदर जांच को खत्म करके लिए ट्रायल के लिए भेजना होगा। किसी पुलिस अधिकारी के खिलाफ कोई ट्रायल चलाया जा रहा है तो इसको लेकर 120 दिन में अंदर फैसला लेना होगा। यानी न्यायिक मामलों की रफ्तार बढ़ेगी। अगर किसी मुकदमे में बहस खत्म हो चुकी है तो एक महीने के अंदर कोर्ट को फैसला देना होगा। फैसले की तारीख के 7 दिन के अंदर इसे ऑनलाइन -शेष पृष्ठ दो पर

जागीरोड में नवनिर्मित रेलवे रोड ओवर ब्रिज का सीएम ने किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) द्वारा जागीरोड स्टेशन पर निर्मित नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) को आम जनता के उपयोग के लिए खोल दिया गया। इस आरओबी का उद्घाटन असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने स्थानीय विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि यह नवनिर्मित आरओबी जागीरोड स्टेशन यार्ड के समपार फाटक संख्या एसटी -27 के स्थान पर बना है। सड़क यातायात की भीड़ के साथ-साथ ट्रेनों की आवाजाही के शंटिंग परिचालन के कारण समपार फाटक एसटी-27 के स्थान पर एक आरओबी के निर्माण की आवश्यकता महसूस हुई थी। 669754 टीवीयू होने के कारण यह फाटक काफी व्यस्त था। डिगारु-होजाई दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने से ट्रेनों की आवाजाही भी बढ़ी, जिसके कारण फाटक को बार-बार बंद करने की आवश्यकता पड़ती थी। तदनुसार, रेल और सड़क दोनों उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल द्वारा 85.96 करोड़ रुपए की कुल लागत से इस आरओबी (संख्या 85 ए) का निर्माण किया गया। आरओबी की कुल लंबाई 344 मीटर है, -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी को देश के सबसे ऊंचे दर्जे का शहर बनाना है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि उनका उद्देश्य आने वाले वर्षों में गुवाहाटी को देश के सबसे ऊंचे दर्जे शहरों में से एक बनाना है और इसके लिए वे जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं। आज लोक सेवा भवन में एक बैठक में मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी *मास्टर प्लान 2045* के मसौदे की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से शहरी वनों के निर्माण, पार्कों के निर्माण और शहर में हरित स्थानों की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान राजधानी की सड़कों, नाले तथा फुटपाथों के निर्माण को लेकर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

असम के युवक की अरुणाचल में रहस्यमयी मौत, तनाव

मोरान। अमस के चराइदेउ में एक युवक की रहस्यमयी मौत को लेकर लोगों में रोष है। संबंधित इलाके में तनाव भी देखा गया। चराइदेउ के युवक की रहस्यमयी मौत अरुणाचल प्रदेश में हुई है। इससे पहले भी असम के चराइदेउ कई युवकों की मौत अन्य राज्यों में हुई है। इससे लोगों में रोष और भी बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार चराइदेउ के एक युवक का शव अरुणाचल के तिरप जिले में मिला। युवक एक हफ्ते से लापता था। युवक की मौत किस कारण हुई इसका अभी तक पता नहीं चल सका है। -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

राज्य में हर्षोल्लास के साथ मना क्रिसमस

गुवाहाटी। असम में सोमवार को लोगों में क्रिसमस का उल्लास दिखा और इस अवसर पर सभी धर्मों के लोग प्रार्थना में शामिल हुए तथा खूब मौज-मस्ती की। आधी रात की प्रार्थना से लेकर सुबह की प्रार्थना तक गिरजाघर विशेष रूप से उत्सव के रंग में रंगे दिखे। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा सहित अन्य लोगों ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। कटारिया ने *एक्स* पर लिखा कि यह विशेष अवसर हमें प्रभु यीशु की शिक्षाओं पर चिंतन को प्रेरित करे, जो हमें प्रेम, मानवता और करुणा से भरे समाज के निर्माण में योगदान का मार्ग -शेष पृष्ठ दो पर

गरीब सेवा, श्रमिक सम्मान और वंचितों को मान हमारी प्राथमिकता : पीएम

इंदौर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गरीबों की सेवा, श्रमिकों का सम्मान और वंचितों को मान हमारी प्राथमिकता है। देश में मेरे लिए चार जातियां सबसे बड़ी हैं। यह जातियां हैं- मेरा गरीब, मेरा युवा, मेरी माताएं-बहनें और किसान। हमारा प्रयास है कि देश का श्रमिक सशक्त बने और समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान दे। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस पर इंदौर में हुए *मजदूरों के हित मजदूरों को समर्पित* कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने बटन दबाकर श्रमिकों को हितलाभ वितरण की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री का अभिवादन किया तथा हुकुमचंद मिल के मजदूरों को वितरित होने वाले हितलाभ का प्रतीकात्मक चेक श्रमिक यूनियन के प्रतिनिधियों और लिक्विडेटर को सौंपा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रीन बॉन्ड से अर्जित धनराशि से बनने वाले 60 मेगावाट सौर ऊर्जा प्लांट परियोजना का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री यादव ने लगभग 429 करोड़ के जन -शेष पृष्ठ दो पर

एक साल में 52 हजार मामलों का निपटारा अभूतपूर्व रिकॉर्ड : सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में क्रिसमस के मौके पर समारोह का आयोजन किया गया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने इस मौके पर क्रिसमस कैरोल भी गाया। चीफ जस्टिस ने क्रिसमस के मौके पर देश के लिए सबकुछ कुर्बान करने वाले सैनिकों को भी नमन किया। सीजेआई चंद्रचूड़ ने देशवासियों से बलिदानियों के योगदान को याद रखने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि हमने कुछ दिन पहले अपने सशस्त्र बलों के चार जवानों को -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सैन्य हिरासत में तीन की मौत : जांच शुरू, ब्रिगेड कमांडर हटाए गए

नई दिल्ली (हि.स.)। सीमावर्ती जिले पुंछ के सूरनकोट इलाके में डेरा की गली और बुफलियाड़ में गुरुवार को सेना के दो वाहनों पर आतंकी हमले के बाद सैन्य हिरासत में तीन नागरिकों की मौत के मामले की जांच सेना ने शुरू कर दी है। भारतीय सेना ने 13 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल्स के एक ब्रिगेड कमांडर को इस मामले की जांच होने तक हटा दिया है और ब्रिगेड की कमान दूसरे अधिकारी को सौंपी गई है। सीमावर्ती जिले पुंछ के सूरनकोट इलाके में डेरा की गली और बुफलियाड़ के बीच एक तीखे मोड़ पर आतंकी हमले में चार जवान बलिदान हो गए थे। उसके दूसरे दिन आठ आम नागरिकों को सेना की उसी फॉर्मेशन ने उठाया था, जिसमें गुरुवार को पुंछ में आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया था और चार सैनिक बलिदान हो गए थे। सेना ने रविवार को आखिरकार मारे गए सैनिकों की पहचान नायक बीरेंद्र सिंह, -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में आम चुनाव : उपद्रवियों ने सरकारी बस फूंकी

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में आम चुनाव की गहमागहमी के बीच उपद्रवियों ने आधी रात बाद एक सरकारी बस को फूंक दिया। बांग्लादेश के अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार उपद्रवियों ने सोमवार अहले सुबह नारायणगंज अंतर्गत सिद्धिरगंज के साइनबोर्ड इलाके में अनाबिल परिवहन की एक बस को आग के हवाले कर दिया। अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा मुख्यालय (मीडिया सेल) के गोदाम निरीक्षक अनवारुल -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्र के उत्थान में संन्यासियों का अभूतपूर्व योगदान : रक्षामंत्री

हरिद्वार (हि.स.)। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ये दिव्य आध्यात्मिक महोत्सव है। आध्यात्मिक व्यक्ति वही है, जिसका मन बड़ा होता है। अपने परिवार से अलग होकर लोकहित के लिए संन्यास धारण करने का कार्य कोई छोटे मन का व्यक्ति नहीं कर सकता। मन के विस्तार की सीमा वह होती है, जब व्यक्ति सीधे परमानन्द को अनुभूत कर लेता है। मन की परिधि परमानन्द के समानुपाती होती है। राष्ट्र के उत्थान में संन्यासियों का अभूतपूर्व योगदान है। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि के श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा की आचार्यपीठ पर पदस्थापना के 25 -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
किसी विशेष प्रयोजन के लिए ही शत्रु मित्र बनता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

क्रिसमस डिनर के बाद फ्रांस में 700 से अधिक कर्मचारी हुए बीमार

लंदन (हि.स.)। क्रिसमस पर रात्रिभोज के बाद फ्रांस में एयरबस अटलांटिक के 700 से अधिक कर्मचारी बीमार पड़ गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारी खाने में फूड प्वाइजनिंग के कारण का पता नहीं लगा पाए हैं। रविवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 14 दिसंबर के रात्रिभोज के बाद बीमार हुए लोगों में पश्चिमी फ्रांस में विमानन निर्माता कंपनी की साइट के कर्मचारी शामिल थे। उनमें उल्टी और दस्त से की शिकायत मिली थी। रात्रिभोज में कौन सा भोजन दिया गया, जिसने लोगों को बीमार कर दिया। उत्सव की दावत -शेष पृष्ठ दो पर

क्रिसमस : पीएम आवास से लेकर भाजपा मुख्यालय तक ईसा मसीह पर चर्चा

नई दिल्ली। अयोध्या में भगवान राम के नवनिर्मित मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम को भाजपा एक मिशन के रूप में पूरे देश में आगे बढ़ा रही है। लेकिन इसी बीच आज क्रिसमस के त्योहार पर भाजपा नेता अचानक गिरजाघर पहुंचे और ईसा मसीह से आशीर्वाद लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आधिकारिक निवास पर ईसाई समुदाय के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने ईसाइयों के देश के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को भी याद किया और देश को आगे बढ़ाने में ईसाई समुदाय की भूमिका को भी स्वीकार किया। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने सहयोगियों के साथ दिल्ली के एक गिरजाघर में पहुंचे। उन्होंने भी ईसा मसीह से आशीर्वाद लिया और पादरियों से मुलाकात की। जेपी नड्डा ने भी याद किया कि किस तरह ईसाई समुदाय ने देश में आधुनिक शिक्षा को आगे बढ़ाने और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने में अपना योगदान दिया। भाजपा नेताओं के ईसाई समुदाय के लोगों से मिलने को 2024 के लोकसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि जिस तरह इंडिया गठबंधन ने भाजपा को उत्तर भारत में चुनौती देने की कोशिश की है, उससे पार्टी को क्षेत्र में कुछ परेशानी हो सकती है। यूपी-बिहार के साथ-साथ पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में उसे कुछ सीटों का नुकसान हो सकता है। इस कमी की भरपाई के लिए भारतीय जनता पार्टी दक्षिण भारत में अपना विस्तार करने -शेष पृष्ठ दो पर

जन्मदिन पर लड़की का ब्लेड से गला काट जिंदा जलाया, आरोपी गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई के पास तांबरम से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक लड़की को उसके 26वें जन्मदिन पर उसका दोस्त सुनसान जगह पर ले गया और यह कहते उसने उसके हाथ-पैर को जंजीर से बांध दिया कि यह केवल मौज-मस्ती के लिए है। इसके बाद उसने ब्लेड से उसका गला काट दिया और फिर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा के हवाले कर दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी कुछ महीने पहले जेंडर चेंज सर्जरी की प्रक्रिया से गुजरा था, जिसके बाद उसने अपना नाम बदलकर वेत्रिमारन कर दिया। उन्होंने कहा कि आरोपी ने आर नंदनी की इसलिए हत्या कर दी, क्योंकि वह इस बात से नाराज था कि उसने उससे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

जम्मू-कश्मीर के युवा प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली (हि.स.)। *वतन को जानो* कार्यक्रम में भाग लेने वाले जम्मू-कश्मीर के युवा प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वतन को जानो कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें देश की कला, संस्कृति, सभ्यता और देश में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराना है। दौरे के दौरान उन्हें एहसास हुआ होगा कि हम अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं, अलग-अलग कपड़े पहनते हैं, अलग-अलग जीवनशैली अपनाते हैं, लेकिन हम एक हैं। यही एकता हमारी असली ताकत है। हमें इसे और मजबूत करना है। राष्ट्रपति ने कहा कि अनुच्छेद-370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर के विकास में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। भारत सरकार और स्थानीय प्रशासन लोगों की प्रगति के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। आम लोगों के लाभ के लिए शासन-प्रशासन में प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। डिजिटल जम्मू-कश्मीर की ओर बढ़ते हुए, प्रशासन ने शासन को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने कहा कि प्रभावी वितरण और पारदर्शिता सुशासन का आधार है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इसी सोच के साथ 1100 से अधिक सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया गया है जो आम जनता के हित में है। राष्ट्रपति ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवा भारत की मुख्यधारा का हिस्सा बनकर अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं, लेकिन आज भी कुछ निहित स्वार्थों के कारण नहीं चाहते कि कश्मीर आगे बढ़े। हालांकि, जिस तरह से सरकार जम्मू-कश्मीर की प्रगति के लिए बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और शिक्षा में निवेश कर रही है, वह दिन दूर नहीं जब जम्मू-कश्मीर भारत में प्रगति का आदर्श प्रस्तुत करेगा। राष्ट्रपति ने युवा प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से सरकार द्वारा किए जा रहे विकासात्मक प्रयासों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से उनके जीवन में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। राष्ट्रपति ने उन्हें अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए नशीली दवाओं, असामाजिक तत्वों और नकारात्मक प्रचार से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सभी को उचित अवसर प्रदान करता है, बस उन्हें इस पर विश्वास करना होगा और समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ना होगा।

142 रोहिंग्याओं से भरी नाव अंडमान निकोबार पहुंची

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में रविवार को 142 संदिग्ध रोहिंग्या शरणार्थियों को ले जा रही एक नाव को तटीय सुरक्षा एजेंसियों ने रोक लिया है। पुलिस ने बताया कि नाव करीब 14-15 दिन पहले बांग्लादेश से रवाना हुई थी और इंडोनेशिया जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि रविवार की सुबह पोर्ट ब्लेयर पुलिस नियंत्रण कक्ष को स्थानीय खुफिया विभाग से शहीद द्वीप के पास संदिग्ध नाव की आवाजाही के बारे में सूचना मिली। इसके बाद नौसेना, तट रक्षक बल और समुद्री पुलिस सहित कई तटीय सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई के बाद नाव को रोक लिया गया है। नाव पर सवार लोगों में 47 महिलाएं और 59 नाबालिग शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि नाव को समुद्री पुलिस द्वारा शहीद द्वीप तक खींच कर लाया गया, क्योंकि इसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई थी और यह आगे की यात्रा के लिए उपयुक्त नहीं थी। उन्होंने कहा कि सभी रोहिंग्याओं को पोर्ट ब्लेयर ले जाया गया और केंद्र सरकार से आगे के निर्देश के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा एक अस्थायी आश्रय में रखा गया है। इससे पहले 13 फरवरी को 69 रोहिंग्याओं को लेकर एक मोटरबोट निकोबार जिले में पहुंची थी। अधिकारियों ने बताया कि यह इंडोनेशिया जा रहा था, लेकिन खराब मौसम के कारण यहां रुक गई है।

त्रिपुरा में अवैध प्रवेश के आरोप में बांग्लादेशी दुल्हन गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला को अवैध रूप से त्रिपुरा में प्रवेश करने के जुर्म में गिरफ्तार किया है। महिला पड़ोसी देश बांग्लादेश से त्रिपुरा के निवासी से शादी करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर बीती रात त्रिपुरा में अवैध रूप से आ गई थी। महिला को त्रिपुरा के उत्तर जिला के धर्मनगर उपमंडल के कदमतला में पकड़ा गया। कदमतला थाना प्रभारी अधिकारी सिबू रंजन डे ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों और त्रिपुरा पुलिस ने संयुक्त रूप से बांग्लादेश से त्रिपुरा में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए उक्त बांग्लादेशी महिला जोली रानी दास (25) को हिरासत में लिया। कदमतला थानाक्षेत्र के बजेंद्र नगर ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 5 के निवासी सुधांशु दास (50) ने जोली रानी दास के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की। उन्होंने बांग्लादेश में शादी कर ली और अवैध रूप से सीमा पार कर गए। इसी महीने की 17 तारीख को बांग्लादेश के एक स्थानीय जगन्नाथ मंदिर में दोनों की शादी हुई। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया शुरू की है।

ताइवान में चुनाव से पहले फिर आक्रामक हुआ चीन, लड़ाकू विमानों ने की घुसपैठ

बीजिंग। ताइवान-चीन के बीच तनाव चरम पर है। खास कर ताइवान में चुनाव से पहले चीन ने जल ओर वायु क्षेत्रों में अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं। 24 घंटे के अंदर 8 चीनी लड़ाकू विमानों ने ताइवान के जल क्षेत्र में घुसपैठ की। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि चीनी युद्धक विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर लिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के लड़ाकू विमानों ने जलडमरूमध्य के उत्तर और केंद्र में मध्य रेखा को पार कर लिया । रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ताइवान जलडमरूमध्य की मीडियन लाइन को एक चीनी गुब्बारे ने भी पार किया है। मंत्रालय ने कहा कि गुब्बारा पूर्व की ओर गया और लगभग एक घंटे बाद गायब हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विवाद से पहले मीडियन लाइन दोनों पक्षों के बीच एक अनौपचारिक बैरियर के रूप में काम करती थी, लेकिन अब चीनी विमान नियमित रूप से इसके ऊपर से उड़ान भरते हैं। मंत्रालय ने कहा है कि ताइवान ने अपनी निगरानी के लिए सेनाएं भेजीं हैं। बता दें कि चीन ताइवान को अपना हिस्सा बताता है जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है। चीन ताइवान पर कब्जा करना चाहता है। बता दें कि ताइवान में 13 जनवरी को होने वाले राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों के लिए प्रचार अभियान चल रहा है। इन चुनावों में चीन के साथ संबंध और सीमा विवाद का एक प्रमुख मुद्दा है।

पुलिस एनकाउंटर में एक युवक घायल

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया में पुलिस एनकाउंटर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार अल्फा स्वाधीन नमक उग्रवादी संगठन से ताल्लुक रखने के आरोप में चलाए गए अभियान के दौरान प्रांजल दास पुलिस एनकाउंटर में घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रांजल उर्फ भोलू रंगिया के नौ नंबर वार्ड में रहता है। पुलिस ने उसके घर से अल्फा स्वाधीन का झंडा बरामद किया है। वहीं प्रांजल के परिवारों ने पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई को सिरे से नकारा गया है। प्रांजल के परिजनों ने कहा कि वह फाइनेंस कंपनी में काम करता है और अल्फा से उसका कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस बेवजह उसके ऊपर गोली चलाई।

मुख्यमंत्री ने सी राजगोपालाचारी को श्रद्धांजलि अर्पित की

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भारत के पूर्व गवर्नर जनरल सी राजगोपालाचारी को आज उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में लिखा कि आज उनकी पुण्यतिथि पर हम उन्हें याद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे एक लेखक और वकील, स्वतंत्रता आंदोलन में प्रमुख आवाज बुलंद करने वाले थे। वे प्रगतिशील नीतियों और बाजार सुधारों के प्रस्तावक थे, जिन्होंने स्वतंत्र पार्टी की नींव रखी। आज उनकी पुण्यतिथि जैसे पवित्र अवसर पर मुख्यमंत्री उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

अरुणाचल सीमा में घुसे सात हथियारबंद युवक

शोणितपुर (हिंस)। जिले के जामुगुरीहाट के अरुणाचल प्रदेश सीमा में सात हथियारबंद युवकों को घुसते देखा गया। इस घटना से जामुगुरीहाट में सनसनी फैल गई है। असम-अरुणाचल की सीमा पर स्थित गांव में इन हथियारबंद युवकों को घुसते देख इलाके के लोग चिंतित हैं। बताया जा रहा है कि लोगों ने हथियारबंद युवकों को मारुति वैन से उतरते देखा। ग्राम रक्षा वाहिनी के सचिव रघु बोरा ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने सूचना के आधार पर हथियारबंद युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

पृष्ठ एक का शेष

कानून बने भारतीय...

उपलब्ध भी कराना होगा। बड़े और गंभीर अपराध से जुड़े मामले में पुलिस को तेजी से काम करना होगा। उन्हें 90 दिन के अंदर चार्जशीट को फाइल करना होगा। अगर कोर्ट मंजूरी देती है तो समय 90 दिन तक बढ़ाया जा सकता है। अगर मामला यौन हिंसा से जुड़ा है कि पीड़िता के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग होगी। यह अनिवार्य होगा ऐसे अपराध जिसमें 7 साल या इससे अधिक की सजा का प्रावधान है, उनमें क्राइम सीन पर फॉरेंसिक टीम का पहुंचना अनिवार्य होगा। अगर किसी मामले में ब्लड सैम्पल लिया जाना है तो उसके लिए गिरफ्तारी अनिवार्य नहीं होगी। मजिस्ट्रेट के ऑर्डर के बाद आरोपी की हैंडराइटिंग, वॉयस या फिंगर प्रिंट के सैम्पल लिए जा सकेंगे। हर पुलिस स्टेशन और जिले में एक ऐसा अधिकारी नियुक्त किया जाएगा जो अपराधियों के काले चिट्ठे का रिकॉर्ड रखेगा।

जागीरोड में नवनिर्मित...

जिसमें 74 मीटर लंबा बो स्ट्रिंग आर्च स्टील गर्डर है। बो स्ट्रिंग आर्च स्टील गर्डर की ऊंचाई 12.85 मीटर और वजन 730 एमटी है। 3 लेन की 11 मीटर चौड़ी नई सड़क का निर्माण इस नए आरओबी में किया गया है, जो एनएच 24 और एनएच 715ए को जोड़ती है एवं दोनों तरफ वायाडक्ट्स बने हैं। बो स्ट्रिंग गर्डर के दोनों ओर दो सीढ़ी प्रदान किए गए हैं, ताकि पैदल यात्री सुरक्षा के साथ रेलवे ट्रैक पार कर सकें। यह नया आरओबी न केवल भीड़ के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने और वाहनों के सुचारू परिचालन की सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि लोगों को रेल पटरियों को पार करने से भी रोकेगा। इसके अलावा, इस आरओबी से परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में ट्रेन के साथ-साथ सड़क परिवहन की सुचारू आवाजाही में मदद मिलेगी। जागीरोड के साथ-साथ मोरीगांव जिले की पूरी आबादी इससे लाभान्वित होगी।

असम के युवक ...

इस साल सितंबर में चराइदेउ के दो युवकों की रहस्यमय मौत नगालैंड के मोन जिले के तिजित में हुई थी। उनके शव बरामद किए गए थे। उसके बाद फिर चराइदेउ के एक युवक का शव अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में मिला था। मौत के कारणों का पता नहीं चल सका था। असम के युवाओं के अन्य राज्यों में मौत की कई रिपोर्टें चिंता का विषय बन गई है। जहां वे मुख्य रूप से नौकरियों की तलाश में गए थे। एक असम के युवक की रहस्यमय मौत की एक और रिपोर्ट ने लोगों के गुस्से को बढ़ा दिया है। इस बार असम के युवक की अरुणाचल प्रदेश में रहस्यमयी मौत ने तनाव पैदा कर दिया है। लगभग क्षत-विक्षत शव की पहचान सोनारी टाउन के पास टेओक राजाबाड़ी चाय बागान के सुजीत बड़ाईक के रूप में की गई है। गौरतलब है कि सुजीत बड़ाईक को दो सप्ताह पहले हन्नान नामक व्यक्ति पक्का राजमिस्त्री के रूप में काम दिलाने के लिए अरुणाचल ले गया था। परिजनों ने बताया कि युवक एक सप्ताह पहले अरुणाचल में काम करने के दौरान लापता हो गया था। उसके लापता होने के बाद शनिवार को शव बरामद किया गया। घटना सामने आने के बाद चराइदेउ जिले में तनाव है। परिवार ने बताया है कि उन्होंने घटना के बारे में अरुणाचल के तिराप में स्थानीय पुलिस से संपर्क किया है लेकिन पुलिस ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

राज्य में हर्षोल्लास...

दिखाते हैं। शर्मा ने माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर लिखा कि क्रिसमस की शुभकामनाएं। यीशु आपके मार्ग को ज्ञान और खुशी से रोशन करें। रविवार रात से ही गिरजाघरों में विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की गईं। क्रिसमस की शुरुआत प्रार्थनाओं और कैरोल गायन के साथ हुई। कोकराझार सहित विभिन्न स्थानों पर पारंपरिक पोशाक पहने लोगों ने स्थानीय भाषाओं में कैरोल गाए। गिरजाघरों सहित विभिन्न स्थानों पर कार्निवल आयोजित किए गए जहां आगंतुकों के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। अन्य धर्मों के लोग भी उत्सव में शामिल हुए और चारों ओर शांति और खुशी के लिए प्रार्थना की गई।

गरीब सेवा, श्रमिक ...

कल्याणकारी विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण किया तथा 175 दिव्यांगजनों को रेट्रोफिटेड स्कूटी वितरित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रदेश की नई सरकार का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम गरीब, संघर्षपूर्ण जीवन जी रहे श्रमिकों के लिए आयोजित करना और ऐसे कार्यक्रम में मुझे सहभागिता का अवसर देना मेरे लिए संतोष का विषय है। मुझे यकीन है कि मध्यप्रदेश की नई टीम आने वाले दिनों में ऐसे ही कई ओर उपलब्धियां हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि जब हुकुमचंद मिल के श्रमिकों के लिए पैकेज का ऐलान किया गया तब इंदौर में उत्सव का माहौल निर्मित हो गया था। मोदी ने कहा कि स्वच्छता और स्वाद के लिए मशहूर इंदौर कई क्षेत्रों में अग्रणी रहा है। इंदौर के विकास में यहां के कपड़ा उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यहां कपड़ा मिलें रोजगार का बड़ा केंद्र बन गई थीं। इन मिलों में काम करने वाले कई श्रमिक दूसरों राज्यों से आए और यहां घर बसाया, यह वह दौर था जब इंदौर की तुलना मैनचेस्टर से होती थी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार कपास के क्षेत्र में इंदौर के पुराने गौरव को फिर से स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि भोपाल-इंदौर के बीच इन्वेस्टमेंट कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इंदौर-पीथमपुर इकॉनामिक कॉरिडोर एवं मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का विकास हो रहा है। विक्रम उद्योगपुरी में मेडिकल डिवाइस पार्क हो, धार जिले में भैंसोला में पीएम मित्र पार्क हो, सरकार द्वारा इन पर हजारों करोड़ों रुपए का निवेश किया जा रहा है। इससे यहां रोजगार के हजारों नए अवसर बनने की संभावना है। विकास के इन प्रोजेक्ट्स से यहां की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बड़ेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जलूद सोलर एनर्जी प्लांट के वर्चुअल भूमिपूजन का अवसर मुझे प्राप्त हुआ है। इस प्लांट से प्रतिमाह चार करोड़ रुपए के बिजली बिल की बचत होने वाली है। इस प्लांट के लिए ग्रीन बांड जारी कर लोगों से पैसा जुटाया जा रहा है। ग्रीन बांड का यह प्रयास पर्यावरण की रक्षा में देश के नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का एक और माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान हमने जो संकल्प लिए और जो गारंटी दी है, उसे पूरा करने के लिए राज्य सरकार तेजी से कार्य कर रही है। हर लाभार्थी तक शासकीय योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा मध्यप्रदेश में स्थान-स्थान पर पहुंच रही है।

एक साल में 52...

खोया है। जब हम क्रिसमस मनाते हैं, तो हमें सीमाओं पर तैनात उन लोगों को नहीं भूलना चाहिए जो कड़ाके की ठंड के बावजूद सरहदों और देशवासियों की सुरक्षा में मुस्तैद हैं। उन्होंने कहा कि जब हम क्रिसमस कैरोल गाते हैं तो जश्न में उनके लिए भी गाते हैं। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों के लिए कमरों का एक नया सेट बनाया जाएगा। जिनके वकीलों के पास वर्तमान में कक्ष नहीं हैं, उनके लिए हमने सुप्रीम कोर्ट की सबसे निकटवर्ती जमीन का अधिग्रहण किया है। अदालतों में लंबित लाखों मुकदमों का जिक्र करते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम स्थगन मांगने की इस प्रक्रिया को संस्थागत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में 52000 मामलों को निपटारा किया गया जो अभूतपूर्व रिकॉर्ड है।

सैन्य हिरासत में तीन...

नायक करण कुमार, राइफलमैन गौतम कुमार और राइफलमैन चंदन कुमार के रूप में की। इनमें से दो जवानों के शव क्षत-विक्षत किए गए थे। सेना की हिरासत में लिए गए आठ लोगों में से तीन नागरिकों की यातना के वीडियो और मौतों को केंद्र सरकार ने बहुत गंभीरता से लिया है और जवाबदेही तय करने के लिए सेना को सख्त निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार के सख्त निर्देश के बाद सेना ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले से जुड़े जम्मू-कश्मीर में पुंछ के प्रभारी 13 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल्स का नेतृत्व करने वाले ब्रिगेडियर पी. आचार्य को कथित यातना वीडियो और तीन नागरिकों की मौत की जांच लंबित रहने तक उनके पद से हटाकर किसी अन्य इकाई या मुख्यालय में तैनात कर दिया गया है। जांच के दायरे में ब्रिगेडियर आचार्य के अधीन बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर, सेकेंड इन कमांड के अलावा कंपनी कमांडर को भी लिया गया है। जांच के दायरे में आने वाली बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर घटना के वक्त छुट्टी पर थे और दूसरा अधिकारी कार्य कर रहा था। कश्मीर के एक नए अधिकारी ने 13 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल्स की कमान संभाली है। सूत्रों ने बताया कि दरअसल, राजौरी-पुंछ क्षेत्र में पिछले डेढ़ साल में एक चिंताजनक प्रवृत्ति देखी गई है, जहां सैनिकों पर बार-बार आतंकवादी घात लगाकर हमला कर रहे हैं। इसलिए जांच के दौरान हाल के दिनों में अधिकारी की जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में आतंकवादी हमलों में अपने सैनिकों की बार-बार होने वाली हानि पर भी गौर किया जाएगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि नागरिकों की मौत की जांच में और अधिक अधिकारियों और जवानों को शामिल किया जाएगा। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि यह कोई बर्खास्तगी नहीं है बल्कि उक्त अधिकारी के आचरण की जांच चल रही है। दंड के प्रकार सहित आगे की कार्रवाई आंतरिक जांच के नतीजे पर आधारित होगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है और वह भी मामले की जांच कर रही है। सूत्रों ने कहा कि यह भी जांच की जाएगी कि क्या सेना के कुछ अधिकारियों ने पुलिस की जांच को प्रभावित करने का कोई प्रयास किया था। मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे सोमवार को राजौरी पहुंचे हैं। उन्होंने पुंछ सेक्टर का दौरा किया और उन्हें मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने जमीन पर कमांडरों के साथ बातचीत की, उन्हें सबसे पेशेवर तरीके से ऑपरेशन चलाने और सभी चुनौतियों के खिलाफ दृढ़ और स्थिर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन और वरिष्ठ नागरिक प्रशासन और पुलिस अधिकारी आतंकवाद विरोधी अभियान और कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने तथा निगरानी के लिए राजौरी और पुंछ के जुड़वां जिलों में डेरा डाले हुए हैं।

बांग्लादेश में आम ...

इस्लाम ने बताया कि आग बुझा दी गई है। अखबार के अनुसार बांग्लादेश में आम चुनाव का प्रचार जोर पकड़ रहा है। इस दौरान राजनीतिक दल एक-दूसरे के वाहनों को आग लगाकर क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। सरकार विरोधी आंदोलन के हिस्से के रूप में की गई हड़ताल और नाकाबंदी सहित 58 दिनों के राजनीतिक कार्यक्रमों के दौरान बांग्लादेश में लगभग 289 स्थानों पर आग लगाई गई। इस दौरान 285 वाहनों को निशाना बनाया गया। इनमें 180 बसें और 45 ट्रक शामिल हैं।

राष्ट्र के उत्थान ...

वर्ष पूर्ण होने पर हरिहर आश्रम में वैदिक सनातन धर्म में समष्टि कल्याण के सूत्र विषय पर धर्मसभा में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। धर्म सभा में सन्तों के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी मौजूद रहे। केंद्रीय रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने अंग्रेजों के विरुद्ध संन्यासियों के रण के विषय में लिखा है, इसलिए संन्यासियों का इस राष्ट्र की संस्कृति से बड़ा गहरा जुड़ाव है। जब भी आवश्यकता पड़ी संन्यासियों ने समाज के उत्थान का कार्य किया। जल, पर्यावरण और शिक्षा के लिए इस पीठ की ओर से उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रमणकारी ये जानते थे कि संन्यासियों और आध्यात्मिक परम्परा को नष्ट कर हम भारत की सांस्कृतिक चेतना को नष्ट कर देंगे। किन्तु यह संन्यासियों की जिजीविषा ही थी कि भारत आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से स्वयं को समृद्ध रख पाया। जो अपनी जड़ों और संस्कृतियों से कटे हुए व्यक्ति की परिस्थिति अत्यन्त दयनीय होती है। पुराने समय में राजा के ऊपर केवल एक ही सत्ता रहती थी और वह है धर्म सत्ता। राजा अपना राजधर्म निभा रहा है कि नही इसका अधिकार पूज्य स्वामी जी जी जैसे मनीषियों का ही है। उन्होंने कहा कि मन और विचार की उच्चता को दिव्यता और परमानन्द प्राप्ति का साधन बताया, और सन्तों की महिमा का बखान करते हुए कहा कि सन्त मोह माया से विरक्त होने के बाद भी समाज के कल्याण के लिए हमेशा समाज से जुड़े रहते हैं। उन्होंने संस्कृति के साथ जुड़ाव को महत्वपूर्ण और सर्वथा कल्याणकारी बताया। धर्मसभा में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी विशोकानन्द भारती महराज, अटल पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर स्वामी विश्वात्मानन्द महाराज, योगऋषि स्वामी रामदेव, स्वामी राजराजेश्वरानन्द महराज, हिन्दू धर्म आचार्य सभा के महासचिव स्वामी परमात्मानन्द, श्री दत्तपद्मनाभ पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मेशानन्द, आचार्य बालकृष्ण, विश्व हिन्दू परिषद् के संरक्षक दिनेश जी, विश्व हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार, उत्तराखंड के वित्तमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा सहित देश-विदेश से बड़ी संख्या में पधारे साधकों की उपस्थिति रही।

क्रिसमस : पीएम आवास...

की कोशिश करेगी। लेकिन दक्षिण भारत में हिंदुओं की अपेक्षाकृत कम संख्या, द्रविड़ राजनीति के प्रभाव और ईसाई समुदाय की बहुलता के कारण उसका यह सपना तब तक साकार नहीं हो सकता जब तक कि दक्षिण का कोई प्रभावशाली समूह उसके साथ न जुड़े। जिताऊ समीकरण के लिए उसे दक्षिण भारत में भी उसी तरह के भरोसेमंद वोटरों की तलाश है जैसा कि उत्तर भारत में सवर्ण मतदाताओं ने उसके लिए आधार तैयार किया है। यह आधार ईसाई वोट बैंक में मिल सकता है। इसके लिए भाजपा को ईसाई समुदाय को भरोसे में लेना होगा, जिसके लिए उसने कांग्रेस से भाजपा में आए केरल के नेता टॉम वडक्कन के नेतृत्व में राष्ट्रीय ईसाई मंच बनाकर शुरू कर दिया है। बहुतों को यह रास्ता कठिन लग सकता है, लेकिन जिन्होंने भी देखा है कि किस तरह भाजपा ने राष्ट्रीय मुस्लिम मंच बनाकर मुसलमान मतदाताओं के एक वर्ग को अपने साथ जोड़ने में सफलता पाई है, वे समझ सकते हैं कि यह तात्कालिक राजनीति के लिए भले बहुत उपयोगी न हो, लेकिन दूर की राजनीति में यह भाजपा के लिए दूर की कौड़ी साबित हो सकती है। हाल ही में डीएमके के एक नेता ने भाजपा पर उसे *गोबर पट्टी* की पार्टी होने का आरोप लगाया। गोबर पार्टी का अर्थ हिंदी पट्टी या उत्तर भारत के राज्यों से है। दक्षिण भारत या पढ़े लिखे समाज में एक वर्ग के उत्तर भारतीय समाज को इसी नाम से व्यंग करते हैं। यदि भाजपा को अपने को केवल गोबर पट्टी की पार्टी होने का कलंक हटाना है तो उसे दक्षिण के किसी राज्य में अपनी पकड़ बनानी होगी। कर्नाटक में उसके मजबूत पैर होने के बाद भी वह यहां ज्यादातर जोड़ तोड़ की राजनीति पर ही चलने के लिए मजबूर रही है। यदि उसे अपने बूते सत्ता में स्थाई तौर पर टिकना है तो उसके लिए उसे अपने सामाजिक आधार में विस्तार करना होगा। भाजपा को यह उम्मीद ईसाई समुदाय में ही दिखाई पड़ रही है। भाजपा के मातृ संगठन आरएसएस का पूरे देश में यदि कहीं सबसे ज्यादा काम है तो वह केरल में है। लेकिन अपने तमाम प्रयासों के बाद भी वह केरल में अपनी असरदार उपस्थिति नहीं बना पाई है। पार्टी नेता मानते हैं कि यदि उसे इस सबसे मजबूत वामपंथी गढ़ को ढहाना है तो उसे इसाई समुदाय को साथ लेना होगा। भाजपा नेताओं का मानना है कि केरल का शिक्षित और प्रभावशाली ईसाई समुदाय लव जिहाद और बढ़ती कट्टर मुस्लिम विचारधारा से आशंकित है, उसे आसानी से अपने पाले में लाया जा सकता है। यानी केरल का वामपंथी किला ढहाने के लिए भी भाजपा को ईसाइयों का साथ चाहिए। देश के आठ पूर्वोत्तर के राज्यों में लोकसभा की 26 सीटें हैं। इसमें असम की 14 लोकसभा सीटों पर भाजपा का दबदबा रहेगा। लेकिन मणिपुर विवाद के बाद शेष 12 सीटों पर भाजपा को कड़ी चुनौती झेलनी पड़ सकती है। लेकिन यदि ईसाई बहुल समुदाय भाजपा के पाले में आ जाता है तो उसकी यह राह आसान हो सकती है। मेघालय में ईसाई समुदाय की जनसंख्या 74.59 प्रतिशत, नगालैंड में 87.93 प्रतिशत, मणिपुर में 41 प्रतिशत और अरुणाचल प्रदेश में 30.26 प्रतिशत है। यानी अकेले ईसाई समुदाय ही यह तय करता है कि यहां पर जीत किसकी होगी। इसके अलावा सिक्किम में 10 प्रतिशत, त्रिपुरा में 4.35 प्रतिशत और असम में 3.74 प्रतिशत ईसाई समुदाय भी जीत की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पूर्वोत्तर की आठ सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन 2019 में उसने यह संख्या बढ़ाकर 15 कर लिया था। सहयोगी पार्टियों की तीन सीटों की जोड़ लें तो एनडीए के खाते में 18 सीटें हो गई थीं। ईसाइयों को साथ लेकर भाजपा इन सीटों पर अपनी पकड़ बरकरार रखना चाहती है। उत्तर भारत में इंडिया गठबंधन की चुनौती के बीच उसे अपनी पकड़ बरकरार रखने की जरूरत बढ़ गई है।

जन्मदिन पर लड़की ...

रिश्ता तोड़ लिया था और अपने दफ्तर में एक सहकर्मी के करीब आ रही थी। वेत्रिमारन को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि उसने चेन्नई में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करने वाली नंदनी की हत्या करने की बात कबूल कर ली है। पुलिस ने कहा कि नंदनी और वेत्रिमारन तमिलनाडु के मदुरै जिले में स्कूल में सहपाठी और करीबी दोस्त थे। शनिवार को वेत्रिमारन ने नंदनी के साथ दिन बिताया और उसे सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसने उसके यह कहते हुए उसके हाथों और पैरों को जंजीरों से बांध दिया कि वह यह केवल मजे के लिए कर रहा है। इसके बाद उसने ब्लेड से उसका गला काट दिया और पेट्रोल छिड़ककर उसे आग लगा दी। नंदनी को अस्पताल ले जाया गया, जहां शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई। तांबरम के पुलिस आयुक्त अमलराज ने बताया कि दोनों दोस्त थे और चेन्नई में एक साथ रहते थे। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी भी यौन हमले का कोई संकेत नहीं मिला है। अमलराज से जब पूछा गया कि क्या वेत्रिमारन ने पहले हिंसक प्रवृत्तियों का प्रदर्शन किया था, तो उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है। जांच जारी है।

क्रिसमस डिनर के ...

14 दिसंबर को मोन्टोइर-डी-ब्रेटेन के एक रेस्टोरेंट में आयोजित की गई थी और रात के खाने के लगभग 24 से 48 घंटे बाद कर्मचारी बीमार हो गए। प्रभावित कर्मचारी ने कहा कि मुझे जैसा पेटदर्द और सिरदर्द था, वैसा पहले कभी नहीं हुआ था। यह दर्द प्रसव पीड़ा से भी बदतर था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, रात्रिभोज के आइटम में लॉबस्टर, स्कैलप्स, गॉन गार्स और टूरनेडोस, हेज़लनट चॉकलेट मूस और आइसक्रीम लॉग्स के डेसर्ट शामिल थे। हालांकि, एयरबस ने बताया कि लगभग 100 लोग ही बीमार हुए थे। एयरबस कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह बीमारी के कारण की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि भविष्य में ऐसा दोबारा न हो, एआरएस के साथ सहयोग कर रहा है।

वाजपेयी मां भारती की सेवा में समर्पित, सदैव अटल थे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनके जन्मदिन पर याद किया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं के पुरोधा, भारत माता के चिरपरिचित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रवाद की विचारधारा से भारतीय राजनीति को एक अलग मुकाम पर पहुंचाया। भारत रत्न से सम्मानित अटलजी को उनकी जयंती पर वे (मुख्यमंत्री) अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। प्रयात अटल बिहारी वाजपेयी के एक वीडियो को शेयर करते हुए मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि मां भारती के सेवा में समर्पित सदैव अटल, वे एक सच्चे राष्ट्रवादी, उत्कृष्ट राजनेता और हमारी निरंतर शक्ति के स्रोत और सत्यनिष्ठा के प्रतीक थे। राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का पालन करना और राजनीतिक मजबूरियों के आगे कभी आत्मसमर्पण नहीं करना, उनकी विशिष्ट विशेषता थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राष्ट्रहित पर उनके अटल रुख और सुशासन के युग की स्थापना के लिए उनके प्रयासों को याद करते हैं। आज उनकी जयंती पर, जिसे सुशासन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, मुख्यमंत्री अपने प्रिय पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा पूर्वक नमन करते हैं।

जय अल्फा स्वाधीन कहने वाला युवक गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के बरबरुवा इलाके से एक युवक को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन अल्फा-स्वा के पक्ष में फेसबुक पर पोस्ट देने के लिए पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आज मिली जानकारी के अनुसार सनातन हजारिका नामक युवक ने एक पुलिस अधिकारी के कमेंट बॉक्स में लिखा कि अल्फा-स्वा नहीं होता तो असम नहीं बचता। अल्फा-स्वा के कारण ही असम बचा हुआ है। पोस्ट में उसने जय अल्फा स्वाधीन भी लिखा है। इस पोस्ट के बाद युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार

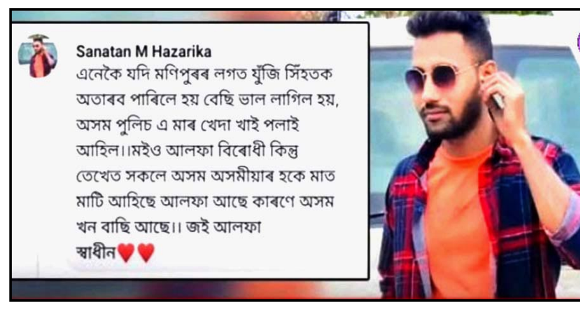

युवक के माता-पिता ने पुलिस से गुहार लगाई है कि वह परिवार का कमाने वाला इकलौता सदस्य है, इसीलिए उसे माफ कर दिया जाए। उल्लेखनीय है कि डीजीपी जीपी सिंह ने कहा था कि अल्फा-स्वा के पक्ष में सोशल मीडिया में पोस्ट करने वालों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

गांजा समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से जीआरपीएफ की टीम ने भारी मात्रा में गांजा समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जीआरपीएफ प्रभारी ने बताया कि सोमवार को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर नियमित तलाशी के दौरान रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन नंबर 01666 अगरतला रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन से एक व्यक्ति को गंजा समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर के पास से एक बैग में भरकर रख गए पांच पैकेट गांजा बरामद किया गया है। जिसका वजन लगभग 6.392 ग्राम बताया गया है। इस मामले में गांजा तस्कर विकास कुमार (19, बख्तियारपुर, बिहार) को गिरफ्तार किया गया है। घटना के संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार गांजा तस्कर से सघन पूछताछ की जा रही है।

सीसुब के महानिरीक्षक ने की सीमा पर तैयारियों की समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), गुवाहाटी फ्रंटियर के महानिरीक्षक ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर संक्रियात्मक तैयारियों की समीक्षा की। बीएसएफ, गुवाहाटी के जनसंपर्क अधिकारी ने आज बताया कि महानिरीक्षक दिनेश कुमार यादव ने आज गुवाहाटी फ्रंटियर के अन्तर्गत भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा का दौरा किया तथा वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य एवं संक्रियात्मक तैयारियों की समीक्षा की। महानिरीक्षक ने जिला कूचबिहार (पश्चिम बंगाल) के अन्तर्गत भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा चौकियों का दौरा किया, जहां उन्हें उप महानिरीक्षक कूचबिहार एवं कमांडेंट 129वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर संक्रियात्मक तैयारियों, सीमा पार अपराधों को नियंत्रित करने एवं सीमा पर विभिन्न चुनौतियों से निपटने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। महानिरीक्षक ने प्रहरी सम्मेलन की अध्यक्षता की एवं सीमा प्रहरियों के साथ बातचीत की तथा क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा सीमा पर तैनात समस्त सीमा प्रहरियों के अथक एवं प्रभावी प्रयासों और समर्पण की प्रशंसा की तथा अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए गुवाहाटी सीमान्त द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

हत्या का आरोपी नयनमणि डेका गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप जिले के आल्टा गांव में हुई हत्या के मुख्य आरोपी नयनमणि डेका को आज बाइहाटा चरियाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उल्लेखनीय है कि 21 दिसंबर की रात आल्टा गांव में एक सनसनीखेज हत्या की घटना हुई थी। शिकायत के अनुसार गांव के निवासी विनय राजबंशी नामक एक व्यक्ति की नयनमणि डेका ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद गांव में तनाव व्याप्त हो गया और विनय राजबंशी की पत्नी ने घटना के संबंध में बाइहाटा चारियाली पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। हत्या को अंजाम देने के बाद फरार चल रहे नयनमणि डेका की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गांव के सैकड़ों पुरुषों और महिलाओं ने बाइहाटा चारियाली थाने के सामने प्रदर्शन किया। पुलिस ने नयनमणि डेका को 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने का वादा किया था। आखिरकार सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने नयनमणि डेका को उनके आवास के पास देखा और उसे पकड़ लिया। पुलिस को घटना की जानकारी मिली और पुलिस ने नयनमणि को उत्तेजित लोगों के चंगुल से छुड़ाया और हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए नयनमणि को पुलिस मेडिकल जांच के लिए बेजेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, लेकिन डॉक्टरों ने नयनमणि को जीएमसीएच रेफर कर दिया। हत्या के आरोपी नयनमणि डेका की पत्नी ने भी उचित सजा की मांग की है।

वन कर्मियों की फायरिंग में एक तस्कर घायल

कोकराझाड़ (हिंस)। जिले के गोसाईगांव के बुढ़ाचापरी में वन सुरक्षा गार्ड द्वारा की गई गोलीबाड़ी में एक तस्कर घायल हो गया। वन विभाग द्वारा आज बताया गया कि अनाधिकृत लकड़ी तस्करों को तितर-बितर करने के लिए वन विभाग द्वारा शून्य में यह फायरिंग की गई। गोलियों की आवाज सुनकर भागते समय एक तस्कर घायल हो गया। यह घटना कचुगांव वन प्रभाग के राईमना राष्ट्रीय उद्यान में हुई। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय उद्यान के 6 नंबर राइट में एक चार सदस्यीय लकड़ी तस्कर साल के पेड़ को काटने गये थे। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

10 करोड़ की याबा टैबलेट के साथ पांच गिरफ्तार

कछार (हिंस)। सिलचर में 10 करोड़ रुपए मूल्य की याबा टैबलेट के साथ पांच तस्करों को सुरक्षा बलों ने आज गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए कछार पुलिस ने बीएसएफ के साथ मिलकर एक तलाशी अभियान चलाया। अभियान में सिलचर के चलछपरा इलाके से 10 करोड़ रुपए मूल्य की याबा टैबलेट लेकर पड़ोसी राज्य से आ रहे एक वाहन को जब्त किया गया। इस सिलसिले में पांच लोगों को पकड़ा गया है। आगे की जांच जारी है। इस आशय की जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज सोशल मीडिया के जरिए दी।

मानव सेवा कार्यों के साथ अटल सेवा सप्ताह शुरू

सप्ताह भर तक भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा विभिन्न कार्यक्रमों का करेगी आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। भारत रत्न तथा देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 99वी जयंती के उपलक्ष में भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा, पूर्वोत्तर प्रांत की ओर से साप्ताहिक मानव सेवा से जुड़े कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महिला मोर्चा की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा के नेतृत्व में अटल सेवा सप्ताह का शुभारंभ लालगणेश स्थित एनजीओ हेल्प टू हेल्प हेल्पलेस नामक आश्रम में रह रहे बच्चों एवं वृद्धिजनो की मदद कर की गई। अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा ने अटल जी की कविता से कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। अटल सेवा सप्ताह के प्रथम दिन संस्था की ओर से आश्रम में रह रहे बच्चों एवं वृद्धिजनो के लिए कपड़े, खाद्य सामग्री सहित जरूरत की अन्य वस्तुएं दी। इस दौरान बच्चों के साथ केक काटकर अटल जी का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम सयोंजीका अनीता गुप्ता, ज्योति भूत, कविता बेरिया, पूजा अग्रवाल की देखरेख में आयोजित इस सेवा कार्य में मंत्री डिंपल शर्मा,

कोषाध्यक्ष शांति कुंडलिया, संजू शर्मा, रेखा गोयल, सपना सराफ, मधु लूणीया, ममता शर्मा, इंद्रा अग्रवाल, रीता अग्रवाल, ज्योति जोधानी, बिना जैन, सरला बजाज, दीपिका अग्रवाल, सरोज काकड़ा आदि सदस्याए उपस्थित थी। अंत में आश्रम के इंचार्ज विक्की दास ने वहा के बच्चों द्वारा तैयार की गई भगवान की प्रतिमा देकर प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा का सम्मान करते हुए संस्था द्वारा दिए गए सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

असम टी के 200 वर्ष पूर्ति पर *9 एएम टी* की विषेश छूट

नि:शुल्क क्रिसमस टी पार्टी में बड़ी संख्या में लोगों ने ली चाय की चुस्कियां

गुवाहाटी (विभास)। असम टी (चाय) के गौरवशाली 200 वर्ष पूर्ति के मौके पर *9 एएम टी* की ओर से आज नि:शुल्क क्रिसमस टी पार्टी का आयोजन किया गया। आमबाड़ी के एजीपी मुख्यालय परिसर स्थित *9 एएम टी* के फ्रेंचाइजी स्टोर मैं इसका आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने नि:शुल्क क्रिसमस टी पार्टी में शिरकत कर असम चाय के विभिन्न वैरायटी का आनंद उठाया। केवल स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि बाहरी राज्यों से आए लोगों ने भी दिसंबर महीने की ठिठुरती ठंड के दौरान असम की लाजवाब चाय की चुस्की ली। इस मौके पर *9एएम टी* के संस्थापक रूपेश खाखोलिया ने बताया कि त्योहारों के मौसम में अक्सर कई तरह की पार्टियां आयोजित की जाती है। परंतु हमने एक नई पहल व नई सोच के साथ असम टी के 200 वर्ष पूर्ति को ध्यान में रखते हुए नि:शुल्क क्रिसमस टी पार्टी का आयोजन किया, ताकि छुट्टियां मनाने पहुंचे

पर्यटक असम की चाय की चुस्की ले सके। आज दिन भर चली नि:शुल्क क्रिसमस टी पार्टी के दौरान बड़ी संख्या में लोगो ने लेमन ब्लैक टी, जिंजर ब्लैक टी, कैमोमाइल ग्रीन टी, कुल्हार मसाला चाय सहित कुकीज का जमकर आनंद उठाया। उन्होंने बताया कि असम टी के 200 वर्ष पूर्ति के मौके पर *9 एएम टी* के फ्रेंचाइजी स्टोर टी-अमौर की ओर से फ्लेवर्ड चाय पर 40 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। आगामी 14 जनवरी बिहू तक यह छूट जारी रहेगी। श्री खाखोलिया ने बताया कि इस आयोजन के पीछे उनका मुख्य उद्देश्य असम की चाय को विश्व पटल पर ले जाना है। श्री खाखोलिया ने बताया कि *9 एएम टी* राज्य की एक प्रमुख चाय कंपनी हैं जो अपने प्रीमियम चाय मिश्रणों के लिए प्रसिद्ध है। असम की चाय का एक सुखद अनुभव प्रदान करने की प्रतिबद्धता के लिए हमने इसी वर्ष अपने पहले फ्रेंचाइजी स्टोर टी-अमौर का शुभारंभ किया था। इस फ्लैगशिप फ्रेंचाइजी स्टोर के खोलने के पीछे हमारा मुख्य उद्देश्य बाहर से आने वाले पर्यटकों को असम की बेहतरीन चाय उपलब्ध कराना है। हमारे इस फ्रेंचाइजी स्टोर में नाजुक सफेद चाय से लेकर मजबूत काली चाय, सुगंधित हरी चाय से लेकर ताजगी भरे हर्बल इन्फ्यूजन तक विविध प्रकार के चाय के वैरायटी उपलब्ध हैं। हमारी चाय टिकाऊ खेती के तरीकों का उपयोग करके उगाई जाती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि *9 एएम टी* का प्रत्येक कप गुणवत्ता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण है।

बाप ने की बेटे की हत्या

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के जामुगुरीहाट के सतिया इलाके में एक व्यक्ति द्वारा आप बेटे की बड़ी बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि सतिया के उत्तरी इलाके में स्थित मनाई चाय बागान के 11 नंबर लाइन में प्रफुल्ल पातर नामक व्यक्ति ने अपने पुत्र प्रवीण पातर (25) की बड़ी बेरहमी से हत्या कर दिया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने बेटा की हत्या करने के आरोप में हत्यारे पिता प्रफुल्ल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि पारिवारिक कलह की वजह से प्रफुल्ल ने अपने बेटे को मार डाला। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मणिपुर पुलिस ने 298 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में भारतीय दंड संहिता (संशोधित भारतीय न्याय संहिता, विधायिकाधीन) की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 298 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 247 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 145 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

डायन कहकर महिला को बेटे के सामने जिंदा जलाया

शोणितपुर (हिंस)। तेजपुर में एक नृशंस हत्या का मामला सामने आया। डायन होने के संदेह में लोगों के एक समूह ने एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि तेजपुर के बाहबाड़ी बरसोन में डायन होने के संदेह में लोगों के एक समूह ने 40 वर्षीय एक महिला के शरीर में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार घटना में छह लोग शामिल हैं। अब तक तेजपुर सदर थाना पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि, दो अन्य फरार हैं। घटना के सिलसिले में धीराज बागोवार, अजय सांका, टिंकू मालदार और सूरज बागोवार को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों ने कथित तौर पर धारदार हथियारों से पहले महिला की हत्या कर दी और उसके छोटे से बेटे के सामने उसके शरीर में आग लगा दी।

सड़क दुर्घटना में दो घायल

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव के जिला पुस्तकालय के सामने एक तेज तफ्तार कार द्वारा ठोकर मारे जाने की वजह से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात पिकनिक मनाकर लौट रही कार (एएस-21एम-0996) द्वारा ठोकर मारे जाने से दो स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर पर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की एक टीम ने दोनों घायलों को इलाज के लिए मोरीगांव सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां दोनों की हालत गंभीर बताई गई है। घटना के समय कार का चालक नशे में धुत था। कार चालक पहले स्कूटी को टक्कर मारा, जिसके बाद कार डिवाइडर से जा टकराई। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

विश्वनाथ में असम नाट्य सम्मेलन के स्वर्णपीठ मंडल का द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। असम नाट्य सम्मेलन के स्वर्णपीठ मंडल का 18वां द्विवार्षिक सम्मेलन और पूर्ण नाटक महोत्सव का कल विश्वनाथ में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के तीसरे दिन की शुरुआत ध्रुवज्योति राजखोवा द्वारा रचित सामूहिक गीत से साधारण सभा हुई। असम नाट्य सम्मेलन के स्वर्णपीठ मंडल के अध्यक्ष हिरण्य हजारिका की अध्यक्षता में आयोजित साधारण सभा का उद्बोधन श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के पंजीयक डॉ. मृणाल बोरा ने की। इसके बाद सभा में स्वागत भाषण में स्वागत समिति के अध्यक्ष एवं विधायक प्रमोद बरठाकुर ने अंचल के सामग्रिक (समूचे) परिदृश्य पर प्रकाश डाले। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद पल्लबलोचन दास उपस्थित थे और उन्होंने पांचवें वेद स्वरूप भरत मुनि के नाट्यशास्त्र का उल्लेख किया। इधर एक समय के मोहमयी अभिनेत्री मृदुला बरुवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर अभिनय जीवन के विषय के ऊपर प्रकाश डाली। इस दौरान दिलीप

कुमार भट्टाचार्य और बसंत बोरा द्वारा संपादित में प्रकाशित नाट्यकथा शीर्षक स्मारक ग्रंथ का विमोचन त्यागवीर हेम बरुवा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजीत हजारिका ने किया। नाट्य सम्मेलन के सचिव योगानंद गोगोई और स्वागत समिति के संयुक्त सचिव मिलन बोरा की संचालित सभा में जितेन भगवती, धर्मेश्वर भुइयां, देवेन बरकटकी, उमेश्वरी हजारिका, अतुल दास, खेमेश्वरी खाउंड, थुल बोरा, चित्र शेखिया, चंद्र दास ,पद्मकांत दास, अकनमान दास, खगेन बोरा, गणेश दास, डॉ. सुशील गोस्वामी, विनोद कलिता, देवेन बरकटकी को संबर्धना (अभिनंदन) जनाया गया। गरिमामयी सभा में असम नाट्य सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष सैयद नाजिम अहमद, उपाध्यक्ष मृगेन चंद्र बोरा, हेमचंद्र बरुवा, सौमारपीठ मंडल के अध्यक्ष टूटू बरुवा, सहायक सचिव जयंत शैकिया, स्वर्णपीठ मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष हरेन शैकिया, उपाध्यक्ष नित्यानंद नाथ और महासचिव कुमारेश शर्मा एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों उपस्थित थे।

संपादकीया

कोरोना की 'लहर' नहीं

कोरोना वायरस के कुछ मामले जरूर आ रहे हैं, लेकिन यह कोई 'लहर' नहीं है। महामारी की सुनामी नहीं है। जो भयानक मंजर हम देख और झेल चुके हैं, एकदम उसकी वापसी भी नहीं है। वायरस की एक नई नस्ल भारत में भी है-जेएन-वन। यह बीए-2-86 या पिरोला का ही एक और प्रकार है, जो ओमिक्रॉन वायरस के ही प्रकार हैं। उन्हीं की कतार में जेएन-1 है। आज इसके संक्रमण का विस्तार 40 देशों में बताया जा रहा है। हमारे देश में गुरुवार, 21 दिसंबर तक कुल 2669 संक्रमित मामले दर्ज किए जा चुके हैं। उनमें से 2300 से अधिक अकेले केरल में हैं। अभी तक सिर्फ 6 मौतें भी दर्ज की गई हैं, जिनमें से 3 केरल में हुई हैं। बाकी महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब में दर्ज की गई हैं। पिछले दौर में भारत संक्रमण के हजारों मामले रोजाना देख चुका है। कुछ बड़े अस्पतालों में संक्रमित मरीजों की सांसें ऑक्सीजन की कमी के कारण टूटी थीं। वैसे मंजर की संभावनाएं नहीं हैं, क्योंकि वायरस की यह नस्ल उतनी घातक नहीं है। हम अपने पाठकों को आश्वस्त कर सकते हैं कि लॉकडाउन के आसार नगण्य हैं। एक-दूसरे राज्य में आने-जाने पर अभी कोई पाबंदी नहीं है। मास्क पहनना भी अनिवार्य नहीं किया गया है। अलबत्ता इतना आग्रह जरूर किया जा रहा है कि यदि आप भीड़ वाले इलाके में जाएं, तो मास्क पहन लें। यदि आपकी उम्र 60 साल से अधिक है और आप हृदय, लिवर, गुर्दे, मधुमेह आदि बीमारियों के पुराने मरीज हैं, तो भी मास्क पहन कर भीड़-भाड़ वाले बाजार या क्षेत्र में जाएं। कोरोना वायरस को लेकर हम अब कोई ढील नहीं बरत सकते, लिहाजा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और संघशासित क्षेत्रों को परामर्श भेजा है कि अस्पतालों में पूरी तैयारियां रखें। ऑक्सीजन सिलेंडर भरे हों। आईसीयू की व्यवस्था चाक-चौबंद हो और मॉक ड्रिल करके देख लें कि तमाम बंदोबस्त हो गए हैं अथवा नहीं। इन परामर्शों से आप चिंतित न हों और दहशत के कोई भी आसार भी न हों। लेकिन इनसे साबित होता है कि कोरोना वायरस अब भी जिंदा है, वायरस कभी नहीं मरते, उनकी नस्लें संक्रमण फैलाती रहती हैं। अमरीका जैसा विकसित देश भी कोरोना-मुक्त नहीं हो पाया, यह वायरस के अस्तित्व के कारण ही है। वैसे सबसे पहले अगस्त, 2023 में यह वायरस लक्समबर्ग में पाया गया। उसके बाद इंग्लैंड, आइसलैंड, फ्रांस और अमरीका में इसके मामले दर्ज किए गए। इन देशों में जीनोम निगरानी काफी सक्रिय है, लेकिन अन्य वायरस की तुलना में जेएन-1 अप्रभावी है। चिकित्सकों की सलाह है कि जिनमें इम्युनिटी कम है या दबी हुई है, ऐसे बुजुर्ग लोग मास्क से अपना बचाव कर सकते हैं। सांस से संबंधी सभी वायरस, कोरोना समेत, के लिए अच्छी किस्म के मास्क काफी बचाव कर सकते हैं, लेकिन दहशत का कोई कारण नहीं है। सचेत जरूर रहें। ऑमिक्रॉन की जितनी भी नस्लें हैं, वे डेल्टा की तरह संक्रामक नहीं हैं। वे ज्यादा लोगों को संक्रमित कर सकती हैं, लेकिन उनसे मौतें बहुत कम होंगी। चिकित्सक यह भी मानते हैं कि जिन्होंने कोरोना के टीके की दोनों खुराक ली हैं, वे मौजूदा वायरस से भी व्यक्ति का बचाव कर सकती हैं। वे आज भी प्रभावी हैं। सर्दी का मौसम गहराने लगा है। आगे क्रिसमस त्योहार और नववर्ष के समारोह भी हैं। जाहिर है कि उनमें भीड़ जरूर आएगी, लिहाजा उसका बचाव जरूर करें। कहीं ऐसा न हो कि आनंद के उत्सव आपको बीमार ही कर दें। बेशक कोरोना की कोई 'लहर' नहीं है और न ही वायरस घातक है, लेकिन अगले कुछ दिन तक संक्रमण के आंकड़े आपके सामने जरूर आते रहेंगे। उनसे घबराना नहीं है। यह वायरस का सार्वजनिक प्रभाव है। यदि आपको थोड़ा-सा भी बुखार होता है, तो कोरोना के दौर वाला व्यवहार ही करें। खुद को दूसरों से अलग और दूरी पर रखें। बेहतर होगा कि आप मास्क पहनें।

पिछले दौर में भारत संक्रमण के हजारों मामले रोजाना देख चुका है। कुछ बड़े अस्पतालों में संक्रमित मरीजों की सांसें ऑक्सीजन की कमी के कारण टूटी थीं। वैसे मंजर की संभावनाएं नहीं हैं, क्योंकि वायरस की यह नस्ल उतनी घातक नहीं है। हम अपने पाठकों को आश्वस्त कर सकते हैं कि लॉकडाउन के आसार नगण्य हैं। एक-दूसरे राज्य में आने-जाने पर अभी कोई पाबंदी नहीं है। मास्क पहनना भी अनिवार्य नहीं किया गया है। अलबत्ता इतना आग्रह जरूर किया जा रहा है कि यदि आप भीड़ वाले इलाके में जाएं, तो मास्क पहन लें। यदि आपकी उम्र 60 साल से अधिक है और आप हृदय, लिवर, गुर्दे, मधुमेह आदि बीमारियों के पुराने मरीज हैं, तो भी मास्क पहन कर भीड़-भाड़ वाले बाजार या क्षेत्र में जाएं। कोरोना वायरस को लेकर हम अब कोई ढील नहीं बरत सकते, लिहाजा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और संघशासित क्षेत्रों को परामर्श भेजा है कि अस्पतालों में पूरी तैयारियां रखें। ऑक्सीजन सिलेंडर भरे हों। आईसीयू की व्यवस्था चाक-चौबंद हो और मॉक ड्रिल करके देख लें कि तमाम बंदोबस्त हो गए हैं अथवा नहीं। इन परामर्शों से आप चिंतित न हों और दहशत के कोई भी आसार भी न हों। लेकिन इनसे साबित होता है कि कोरोना वायरस अब भी जिंदा है, वायरस कभी नहीं मरते, उनकी नस्लें संक्रमण फैलाती रहती हैं। अमरीका जैसा विकसित देश भी कोरोना-मुक्त नहीं हो पाया, यह वायरस के अस्तित्व के कारण ही है।

अब विपक्षी पार्टियों और कुछ सांसदों ने संसद की दुर्गति कर रखी है

स्वार्थी सांसदों ने संसद को मज़ाक बनाकर रख दिया

प्रियंका सौरभ

सांसदों के रवैये को देखते हुए लगता नहीं है कि उसकी मंशा देश के विकास की योजनाएं बनने देने की है। ऐसा लग रहा है कि सांसदों ने पूरे संसदीय लोकतंत्र को बंधक बना लिया है। क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आजकल टीवी पर लाइव दिखाई जाती है, लिहाज़ा देश का आम आदमी भी वह सब कुछ देखता है, जो संसद में रोज़ हो रहा है। आख़िर सांसद लोगों के सामने अपनी क्या छवि पेश कर रहे हैं? ज़रा सोचिए कि देश के लोगों के मन में आपकी क्या छवि बनती जा रही है? यह सच है कि इस गिरावट का कारण यह है कि राजनीति आज संख्या का खेल बन गई है जिसके चलते क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी मनमर्जी कराने के लिए दबाव डालते हैं।

पिछले कुछ दिनों से संसद में जो कुछ हो रहा है, उससे देश निराश है। संसद चलाकर ही सरकार विपक्ष के सवालों के जवाब सही ढंग से दे सकती है। हंगामे के माहौल में सांसदों को अपनी बात रखने का मौक़ा ही नहीं मिलता। कोई बच्चा भी समझ सकता है वेल में जाकर नारेबाज़ी और हंगामा कर सदन की कार्यवाही रोकने से कैसे विरोध जताया जा सकता है। अच्छी बात तो तब कही जाएगी, जब आप अपने सवाल साफ़-साफ़ रखें और सरकार साफ़-साफ़ जवाब दे पाए। लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि संसद की कार्रवाई में बाधा अपवाद की बजाय नियम बन गया है और हमारे राजनेताओं को इस पर कोई पछतावा नहीं होता है। पिछले वर्षों में यह गिरावट बड़ी तेजी से आई है। सांसद एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं, विधायी कागजों को छीनकर फाड़ देते हैं, छोटे से मुद्दे पर सदन के बीचों-बीच आ जाते हैं। पिछले वर्षों में ज्यादातर विधेयकों को बिना चर्चा के ही पारित किया गया है। यह संसदीय प्रणाली का दुरुपयोग है। अब विपक्षी पार्टियों और कुछ सांसदों ने संसद की दुर्गति कर रखी है। दोनों सदनों में निजी एजेंडों को लेकर अनुत्पादक हंगामा कर कार्यवाही ठप करा देना आम बात है। संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाज़ी करना, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां तक कि कई बार हाथापाई पर उतारू हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मज़ाक बनाकर रख दिया है। सांसदों के रवैये को देखते हुए लगता नहीं है कि उसकी मंशा देश के विकास की योजनाएं बनने देने की है। ऐसा लग रहा है कि सांसदों ने पूरे संसदीय लोकतंत्र को बंधक बना लिया है। क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आजकल टीवी पर लाइव दिखाई जाती है, लिहाज़ा देश का आम आदमी भी वह सब कुछ देखता है, जो संसद में रोज़ हो रहा है। आख़िर सांसद लोगों के सामने अपनी क्या छवि पेश कर रहे हैं? ज़रा सोचिए कि देश के लोगों के मन में आपकी क्या छवि बनती जा रही है? यह सच है कि इस गिरावट का कारण यह है कि राजनीति आज संख्या का खेल बन गई है जिसके चलते क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी मनमर्जी कराने के लिए दबाव डालते हैं। वे न केवल दादागिरी की राजनीति में विश्वास करते हैं अपितु सफल संसद सत्र के पैमाने को 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' भी बनाते हैं। आज विषय-वस्तु की बजाय आकार महत्वपूर्ण बन गया है जिसके चलते संसद में गली-मोहल्लों के झगड़ों जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। इसलिए इस गिरती राजनीतिक संस्कृति और नैतिक मूल्यों में संसदीय कार्रवाई में राजनीति को प्रभावित करने

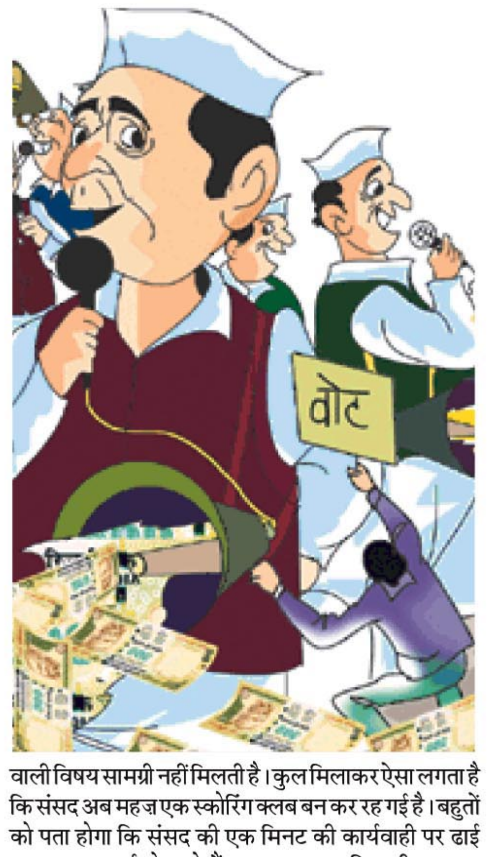

वाली विषय सामग्री नहीं मिलती है। कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि संसद अब महज़ एक स्कोरिंग क्लब बन कर रह गई है। बहुतों को पता होगा कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर ढाई लाख रुपए ख़र्च हो जाते हैं। इस तरह एक दिन की सामान्य कार्यवाही पर औसतन छह करोड़ रुपए का ख़र्च आता है। जिस दिन कार्यवाही लंबी चलती है, उस दिन ख़र्च और बढ़ जाता है। ज़रा सोचिए कि यह पैसा आता कहां से है। ज़ाहिर है कि देश के आम लोगों की जेब से ही आता है। लोकतंत्र में इससे बड़ा और क्या मज़ाक होगा कि संसद की कार्यवाही लगातार ठप रहे या फिर दिन भर रह-रह कर हंगामा होता रहे, फिर भी एक दिन में छह करोड़ रुपए ख़र्च हो जाएं। ज़रा सोचिए कि छह करोड़ रुपए से क्या-क्या हो सकता है? हज़ारों गांवों की क़िस्मत संसद की एक दिन की कार्यवाही पर होने वाले ख़र्च से बदल सकती है। लाखों ग़रीब लड़कियों की शादी हो सकती है। लघु और कुटीर उद्योगों से हज़ारों नौजवानों की क़िस्मत संवर सकती है। लेकिन सांसद यह सब नहीं सोचते। विकास की योजनाएं भले न बनें, व्यक्तिगत हित ज़रूर सुधरने चाहिए। क्या सांसद देश से ऊपर हो गए हैं? एक बात और सारे सांसद हंगामेबाज़ हों, ऐसी बात नहीं हैं। जो कामकाज को लेकर गंभीर हैं, वे कुछ नहीं कर पाते। सवाल है कि सांसद हर बार माहौल क्यों नहीं बनाते? क्या सांसद केवल हंगामा करने के लिए ही पहुंचते हैं? सांसदों ने लोकसभा को पंगु बना कर रख दिया है। हक़ीक़त यह है कि लोकतंत्र का लोक यानी देश की जनता लोकसभा का चुनाव सीधे तौर पर करती है। ऐसे में अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए सदन को लोक के सदन यानी लोकसभा की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लोकसभा में हुए हर काम में अड़ंगा डाल दिया जाए। लोकसभा में तय दिनों में सभी सांसदों को तीन-तीन मिनट ही सही, अपने चुनाव क्षेत्र के बारे में बोलने दिया जाए। बार-बार हंगामा करने वाले सांसदों को चिन्हित किया जाए और उनकी सूची प्रचारित कराई जाए। ऐसे नियम बनाए जाएं कि वेल में आने या पर्चा लहराने या दूसरा किसी भी क़िस्म का हंगामा करने वाले सांसद के ख़िलाफ़ ख़ुद-ब-ख़ुद कोई तय कार्यवाही हो जाए। कुछ सांसद वॉकआउट करने के बाद दोबारा सदन में क्यों आ जाते हैं? केवल दिखावा करने के लिए ऐसा करते हैं, उन्हें देश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। वे संसद में कुछ कर नहीं पा रहे हैं और उधर उनके लोकसभा क्षेत्र की जनता त्रस्त, क्योंकि वे उनकी समस्याएं सुलझा ही नहीं पा रहे हैं, क्योंकि संसद में केवल हंगामा हो रहा है। इसलिए संसद को अखाड़ा बनने से रोकें। नेतृत्व को भी अपनी बात समझाएं, उनके हर ग़लत-सही आदेश का आंख मूंदकर पालन न करें। लोकतंत्र के पवित्र मंदिर की गरिमा बचाए रखना सांसदों का प्रथम काम है। संसद को महत्वहीन बनाने के खतरनाक आयामों को शायद ये लोग नहीं समझते हैं। हमारी संसद हमारे राष्ट्र की आधारशिला है जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है और जिससे अपेक्षा की जाती है कि वह हमारे राष्ट्रीय हितों पर संप्रभु निगरानी रखे। सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी है और सरकार का अस्तित्व उस पर लोकसभा के विश्वास पर निर्भर करता है। अतः समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है।

दृष्टि कोण

सरकार-विपक्ष के टकराव से करोड़ों बर्बाद

आजादी के बाद से अब तक संसद की कार्यवाही का सबसे कम संचालन होना देश के लोकतांत्रिक इतिहास में काला अध्याय बन गया है। सत्ता पक्ष और विपक्षी की हठधर्मिता से देश का लोकतंत्र शर्मसार हुआ है। इससे करदाताओं के गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपए हंगामे की भेंट चढ़ गए। देश के जरूरी समस्याओं पर चर्चा करने और उनके समाधान तलाशने के बजाय सत्ता पक्ष और विपक्ष शत्रुओं की तरह एक-दूसरे को ललकारने में लगे रहे। संसद की सुरक्षा में सेंध के मामले में गृह मंत्री अमित शाह से बयान देने की मांग पर शुरू हुए विवाद से कुल 146 विपक्षी सांसदों का निलंबन हुआ। इनमें 112 लोकसभा और 34 राज्यसभा के हैं। सबसे ज्यादा कांग्रेस के सांसद सस्पेंड किए गए हैं। कांग्रेस के 60 (लोकसभा से 43, राज्यसभा से 17), एनसीपी के 4 (लोकसभा से 3, राज्यसभा से 1), डीएमके के 21 (लोकसभा से 16, राज्यसभा से 5), सीपीआई-एम के 5 (लोकसभा से 2, राज्यसभा से 3), सीपीआई के 3 (लोकसभा से 1, राज्यसभा से 2), जेडीयू के 14 (लोकसभा से 11,

राज्यसभा से 3), नेशनल कॉन्फ्रेंस के 2 (लोकसभा से), तृणमूल कांग्रेस के 21 (लोकसभा से 13, राज्यसभा से 8), सपा के 4 (लोकसभा से 2, राज्यसभा से 2), बसपा का एक (लोकसभा से), आरजेडी के 2 (राज्यसभा से), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के तीन (लोकसभा से), आप का एक (लोकसभा से), केरला कांग्रेस का एक (राज्यसभा से), झामुमो का एक (राज्यसभा से), वीसीके का एक (लोकसभा से) और आरएसपी का एक (लोकसभा से) सांसद हैं। सत्ता पक्ष पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए विपक्ष के सांसदों ने पुरानी संसद से विजय चौक तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा कि सरकार संसद सुरक्षा चूक पर जवाब दे। खडग़े ने कहा कि सरकार सदन नहीं चलने देना चाह रही है। विपक्ष की आवाज दबा रही है। संसद में बोलना हमारा अधिकार है। सभापति मामले को जातिगत रंग दे रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह संसद में आकर इस मामले पर बयान दें। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने कहा कि संसद से विपक्ष के सांसदों का निलंबन ठीक नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद की सुरक्षा में चूक के मामले पर कहा कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस घटना को लेकर राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा कि उच्चस्तरीय जांच के लिए समिति बनाई गई है और जांच जारी है। पहले भी जब इस तरह की घटनाएं हुई तो लोकसभा अध्यक्ष के जरिए ही उनकी जांच प्रक्रिया आगे बढ़ी। बिरला ने विपक्ष के रवैये पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन में नारेबाजी करना, तख्तियां लाना, विरोध करते हुए वेल में आ जाना ठीक नहीं है। जनता भी ऐसे आचरण को पसंद नहीं करती। सदन में लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत ही चर्चा होनी चाहिए। लोकसभा से जिन सांसदों को निलंबित किया गया है, उनका सुरक्षा में चूक के मामले से संबंध नहीं है। संसद के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर अहम बिल पास हुए। शीतकालीन सत्र में लोकसभा की उत्पादकता करीब 74 प्रतिशत रही। इस सत्र में विपक्षी दलों की गैर-मौजूदगी में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य बिल, दूरसंचार विधेयक सहित 18 अहम बिल पारित किए गए। लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी। यह पहला मौका नहीं है जब संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे और निलंबन की भेंट चढ़ गया। इससे पहले मणिपुर मामले को लेकर संसद की कार्यवाही में भारी गतिरोध रहा। संसद में सेंध पर गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य की मांग की तरह विपक्ष मणिपुर हिंसा पर भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान को लेकर अड़ा रहा। मणिपुर मामले को लेकर बार-बार संसद की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई। सत्ता और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी रहा।

कुछ अलग

सियासी रंगमंच का गोबर

पहले गोबर, फिर दूध और आगे न जाने क्या-क्या उठाकर भाजपा विधानसभा परिसर को सियासी रंगमंच बनाती रहेगी। गारंटियों के राजनीतिक बाजार में यह हिसाब नया नहीं है, लेकिन इस बार विपक्ष का स्वांग मनभावन है और यह साबित करता है कि नेताओं में अभिनय का कौशल किसी भी हद तक जा सकता है। अभिनय की राजनीति अगर केंद्र में मिमिक्री करने पर उतारू है, तो हिमाचल में विपक्ष की इस अदायगी का कुछ तो संदेश होगा। भाजपा वर्तमान सरकार की तमाम गारंटियों के आश्वासन और भाषण की याद दिलाती हुई गोशाला से फिलहाल एक हाथ में दूध तो दूसरे में गोबर उठाकर ले आई है। अब सवाल उस आवारा गऊ का है, जिसे न तो गोशाला मिली और न ही राजनीति या गारंटी का सहारा। कांग्रेस तो देर सबेर गोबर खरीद लेगी या दूध के जरिए बेरोजगार को अधिक कीमत का भुगतान करके आत्मनिर्भर बना देगी, लेकिन लावारिस- आवारा गाय को न छत और न ही ठिकाना मिल रहा है। जरा उसी किसान की व्यथा पूछ लेना जिसके समर्थन में भाजपा गोबर उठा कर घूम रही है। किसानों ने खेती से अपना संबंध तोड़ दिया क्योंकि आवारा पशुओं ने उसकी फसल को कब्रिस्तान बनाना शुरू कर दिया है। आवारा पशुओं की लत में जंगली जानवर भी मुंह उठा कर उसी खेत की बर्बादी को अंतिम पैगाम देते हैं। हिमाचल में वन संरक्षण अधिनियम की खाट पर बैठा बंदर हर दिन खेत नहीं उखाड़ता, बल्कि किसान की छाती पर मूंग दलता है। यही वजह है कि कांगड़ा, हमीरपुर, मंडी, चंबा और कई अन्य क्षेत्रों के किसानों ने खेतों से किनारा कर लिया है। यह ठीक है कि विपक्ष को कांग्रेस से उसकी गारंटियों के बाबत पूछना चाहिए, लेकिन खेती बचाए बिना किसान का क्या वजूद। किसान के खेत में फसल होगी, तो गोबर से निकली खाद अमृत होगी, वरना कहां हिमाचल अपनी गायों का दूध पी रहा है। हम नहीं जानते भाजपा के विरोध की गगरिया में किसी हिमाचली गाय का दूध था या बाहरी प्रदेश की थैलियों में आयातित दूध से विपक्षी दल अपने विरोध की गंगा पैदा कर रहा है। आज तक वादों के अनुरूप हमें हिमाचल में पलती गाय-भैंस का प्रचुर मात्रा में दूध उपलब्ध हो जाना चाहिए था, लेकिन प्रदेश की सुबह को हर दिन इंतजार रहता है कि बाहरी प्रदेशों के ब्रांडिड दूध की गाड़ी हमें तृप्त करेगी। हमारे पास पूरा एक विभाग और दर्जनों प्रोत्साहनों की श्रृंखलाएं मौजूद हैं, लेकिन थैलियां बताती हैं कि हिमाचल के दुधारू पशु सिर्फ गोबर फैलाने के लायक बचे हैं। क्या हिमाचल में कृषि बची है या गाय के दूध पर आधारित व्यवसाय बचा है। अगर भाजपा गोबर उठा रही है, तो संबंधित विभागों और विश्वविद्यालय का गोबर भी उठाए ताकि मालूम हो कि प्रदेश अपनी प्रगति में कितना गौण है। दूसरी ओर कांग्रेस सरकार भी अपनी गारंटियों के मकडज़ाल में पर्वतीय राज्य की आर्थिकी और आत्मनिर्भरता के सपने को गुमराह कर रही है। आखिर हमारे और अन्य मैदानी इलाकों में कुछ तो अंतर है। हमारी आर्थिकी पर उस वक्त भी बुरा असर पड़ा था, जब पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने डेढ़ सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त कर दी थी और अब जबकि कांग्रेस की गारंटी तीन सौ यूनिट मुफ्त में गंवा कर शेखी बघारना चाहती है, तो इस क्रांतिकारी फैसले से खजाना कांप रहा है। दरअसल हर गारंटी का वास्ता आर्थिक सेहत से है और ये पूरी तसल्ली से आर्थिक बोझ को उधार की खेती तक ले जाएंगी। हम भाजपा को नित नई मुद्रा में कांग्रेस की गारंटियों की याद दिलाते देख सकते हैं, लेकिन कब यह दौर प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर गौर फरमाएगा। सत्ता और विपक्ष के बीच कितनी भी दूरियां-मजबूरियां गिनी जाएं, लेकिन प्रदेश की आर्थिक कमजोरियों का एहसास जिंदा रखना होगा।

पहला प्रयोग है- आजकल के कुछ संस्कारविहीन बच्चे इस ताक में रहते हैं कि कब उनके माता-पिता की नाक में रुई डल जाए। दूसरा प्रयोग है- आतंकवादग्रस्त क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों की नाक में रुई डालने का प्रबंध कर लिया है। हिंदी के इस मुहावरे को अंग्रेजी में इस तरह अनुवादित किया जा सकता है- 'गॉट डाइड'। ...या फिर यह भी- 'टु पुट कॉटन वूल इन दि नोज ऑफ ए पर्सन।' मुझे आशा है हिंदी जगत को यह मुहावरा स्वीकार्य होगा। आज हिंदी के तीव्र विकास के लिए इसी तरह के और मुहावरे गढ़ने की जरूरत है। अब, विश्व हिंदी दिवस की बात हो जाए। विश्व हिंदी दिवस प्रति वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में हिंदी का विकास करने और इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से कुछ वर्षों पहले विश्व हिंदी सम्मेलनों की शुरुआत की गई थी।

देश दुनीया से

नाक में रुई डल जाना

दस जनवरी को हम विश्व हिंदी दिवस मनाएंगे। आज हिंदी के समक्ष क्या चुनौतियां हैं, और उनके क्या समाधान हैं, इस विषय पर चर्चा तर्कसंगत है। लेकिन इससे पहले मैं इस शुभ अवसर पर अपने नए मुहावरे से परिचित करवाना चाहूंगा। मैंने हिंदी के लिए एक नया मुहावरा गढ़ा है। मुहावरा है- नाक में रुई डल जाना। इसका अर्थ है किसी व्यक्ति का मृत्यु को प्राप्त हो जाना। यह मुहावरा बिल्कुल मौलिक है, और स्वरचित भी। इसका दो वाक्यों में प्रयोग करके भी मैं आपको दिखाना चाहूंगा। पहला प्रयोग है- आजकल के कुछ संस्कारविहीन बच्चे इस ताक में रहते हैं कि कब उनके माता-पिता की नाक में रुई डल जाए। दूसरा प्रयोग है- आतंकवादग्रस्त क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों की नाक में रुई डालने का प्रबंध कर लिया है। हिंदी के इस मुहावरे को अंग्रेजी में इस तरह अनुवादित किया जा सकता है- 'गॉट डाइड'। ...या फिर यह भी- 'टु पुट कॉटन वूल इन दि नोज ऑफ ए पर्सन।' मुझे आशा है हिंदी जगत को यह मुहावरा स्वीकार्य होगा। आज हिंदी के तीव्र विकास के लिए इसी तरह के और मुहावरे गढ़ने की जरूरत है। अब, विश्व हिंदी दिवस की बात हो जाए। विश्व हिंदी दिवस प्रति वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में हिंदी का विकास करने और इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से कुछ वर्षों पहले विश्व हिंदी सम्मेलनों की शुरुआत की गई थी। प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन 10 जनवरी 1974 को नागपुर में आयोजित हुआ था। तब से ही इस दिन को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। अगर हिंदी भाषा को चुनौतियों की बात करें, तो इसे अन्य भाषाओं से चुनौतियां मिल रही हैं। प्रांतीय भाषाओं, अंग्रेजी और उर्दू भाषा से हिंदी को कड़ी चुनौतियां हैं। आज इन भाषाओं में प्रतिस्पर्धा का माहौल है जिसके कारण वे एक-दूसरे को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान पहुंचा रही हैं। हिंदी भाषा को दूसरी बड़ी चुनौती मीडिया से उत्पन्न हिंग्लिश भाषा से मिल रही है। मीडिया आज अपने फायदे के लिए हिंग्लिश का प्रचार-प्रसार अधिक कर रहा है। हिंग्लिश ने हिंदी के समक्ष अपनी शुद्धता को बनाए रखने की समस्या उत्पन्न कर दी है। इसके अलावा वैश्वीकरण के दौर में अंग्रेजी भाषा को अधिक बल मिल रहा है। इसी के साथ ही सिनेमा ने हिंदी के समक्ष समस्याएं उत्पन्न की हैं। सिनेमा में हिंदी के साथ अंग्रेजी का प्रयोग होने के कारण भाषा में अशुद्धता आई है। कुछ विषयों की पुस्तकों का हिंदी में उपलब्ध न होना भी एक दिक्कत है। मशीनी अनुवाद इतना पर्याप्त नहीं है कि पाठकों की मांग को पूरा कर सके। एक महत्त्वपूर्ण समस्या यह भी है कि शोध और अनुसंधान के लिए हिंदी में शोध अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण शोधार्थी अंग्रेजी में शोधकार्य करना पसंद करते हैं। विज्ञापन बाजार भी हिंदी के लिए दिन-प्रतिदिन चुनौतियां पैदा कर रहा है। एक वर्ग विशेष को लुभाने के लिए अंग्रेजी में विज्ञापन देकर उत्पादों के नाम अंग्रेजी में प्रचारित किए जा रहे हैं। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हमें हिंदी के सबल और कमजोर पक्षों की समीक्षा करनी है। यह सोचना है कि कैसे हम सब हिंदी के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। हिंदी भाषा के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के उपायों की बात करें तो सबसे पहले हिंदी को व्यवहार और बोलचाल की भाषा बनाने की जरूरत है। अभिव्यक्ति का माध्यम सुदृढ़ किया जाना चाहिए। हिंदी भाषा को रोजगार की भाषा बनाना चाहिए। इसके अलावा हिंदी के माध्यम से युवकों को कौशल प्रशिक्षण दिया जाए। इसे विज्ञान की भी भाषा बनाया जाए। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा को स्थापित किया गया है। इस तरह के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय सभी राज्यों में प्रारंभ किए जाएं। इसके अलावा सरकार को विभिन्न राष्ट्रों के विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध करना चाहिए ताकि विदेशी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों व विद्यालयों में हिंदी विभाग की स्थापना हो सके। अंग्रेजी भाषा पर निर्भरता कम करके भी हिंदी का विकास किया जा सकता है। आज जापान, चीन व कई अन्य राष्ट्र अंग्रेजी ज्ञान के बिना ही आत्मनिर्भर बन गए हैं। साथ ही हिंदी के प्रति लोगों के संकीर्ण और संकुचित नजरिए को बदलने की जरूरत है। हिंदी का प्रचार-प्रसार प्रांतीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करने के लिए सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और टीवी-सिनेमा का प्रयोग किया जाए। हिंदी में शासकीय और गैर शासकीय कार्यों का संपादन अनिवार्य रूप से किया जाए। हिंदी भाषा को और अधिक समृद्ध बनाया जाए। नए मुहावरे और लोकोक्तियां गढ़ने की जरूरत है। अन्य भाषाओं के शब्दों को ग्रहण करके, हिंदी में अनुवाद को बढ़ावा मिले। क्षेत्रीय भाषाओं की रचनाओं का हिंदी में अनुवाद किया जाए, साथ ही विदेशी भाषाओं की रचनाओं के हिंदी में अनुवाद को प्राथमिकता दी जाए।

आप का नजरीया

बजता है डंका हमारा...

जरूरी नहीं है कि इस मुल्क में सिर्फ हुक्मरानों, बाहुबलियों व बदमाशों का ही डंका बजता है। या फिर सीबीआई और ईडी का डंका का बजता है। हम इनमें से किसी भी कैटेगरी में नहीं हैं, फिर भी ऊपर वाले की मेहरबानी से हर जगह हमारा डंका बजता है। लोग हमें आकर बताते हैं कि साहब आपका डंका बज रहा है। हम लोगों की बातों में आकर खुश हो जाते हैं कि चलो इस दुनिया में हमारी भी तो कोई प्रतिष्ठा है! हमारे पास कोई पेट्रोल पंप नहीं है। किसी उद्योग में भागीदारी नहीं है, कोई बेनामी संपत्ति नहीं है। कोई फार्म हाउस नहीं है। स्विस बैंक में कोई खाता नहीं है। कोई विदेशी पिस्टल नहीं है। लेकिन इसका यह मतलब यह कतई नहीं है कि हमारे पास कुछ नहीं है। सारी दुनिया जानती है कि हमारे पास प्रतिष्ठा है। जिन्हें नहीं मालूम, उन्हें बताने के लिए हम अपनी जेब में कई तरह के पहचान पत्र रखते हैं जिनमें यह लिखा होता है कि हम प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। यानी हमारी भी कोई प्रतिष्ठा है। हम कोई यूं ही यहां पर नहीं रह रहे। पूरी प्रतिष्ठा के साथ रह रहे हैं और प्रतिष्ठा के प्रति हम हमेशा सजग रहते हैं। जब कोई हमें सिर्फ पांच सौ की रिश्वत देकर अपना काम निकलवाना चाहता है तो हम ताव खाकर कहते हैं कि 'सिर्फ पांच सौ रुपए? आखिर हमें समझ क्या रखा है? हमारी भी तो कोई प्रतिष्ठा है!' हमारी झाड़ सुनकर वही व्यक्ति पांच सौ की बजाय हमें एक हजार रुपए ऑफर करता है तो हम ज्यादा चूं-चड़ाक नहीं करते और यह सोचकर हजार रुपए अपनी जेब में रख लेते हैं कि 'चलो इसने हमारी प्रतिष्ठा का कुछ तो ख्याल रखा है।' हमारी प्रतिष्ठा क्या है, इस बात को पुलिस भी जानती है और बदमाश भी। लीडर भी जानते हैं और अधिकारी भी। सुबह हमसे पुलिस वाले सलाह लेने आते हैं, दोपहर को बदमाश लोग हमसे सलाह लेने आ जाते हैं और रात होते-होते लीडर लोग सलाह लेने के लिए हाजिर हो जाते हैं। हमारी प्रतिष्ठा को हमारी पत्नी भी जानती है और उसकी सहेलियां भी। हम अपनी पत्नी के सामने उसकी सहेलियों से आंख नहीं मिलाते ताकि उसकी नजरों में हमारी प्रतिष्ठा बनी रहे और उसकी सहेलियां भी हमें सिर्फ मोबाइल पर ही मैसेज करती हैं और वह भी दफ्तर टाइम में। आखिर उन्हें भी हमारी प्रतिष्ठा बारे मालूम है। हम पत्नी की बात उसकी सहेलियों को नहीं बताते और सहेलियों की बात अपनी पत्नी को नहीं बताते। आखिर बताएं भी काहे को? अपनी प्रतिष्ठा काहे को बिगाड़ें? हमारी प्रतिष्ठा का डंका हमारे ससुराल में भी बजता है। ससुराल वाले जानते हैं कि दामाद को जो दो नंबर की इनकम होती है, उससे वह ससुराल में भी गिफ्ट भिजवा देता है। हमारी प्रतिष्ठा क्या है, यह बात हमारे सहयोगी भी अच्छी तरह जानते हैं। उन्हें पता है कि इस समाज में हमारे साहब की भी कोई प्रतिष्ठा है। इससे बढक़र हमारी प्रतिष्ठा और क्या हो सकती है कि हम पर आज तक कोई आरोप साबित नहीं हो पाया। कोई भी जांच एजेंसी हमारे खिलाफ कार्रवाई किए जाने की सिफारिश नहीं कर पाई है। जिस-जिस विभाग में हम रहे हैं, उस-उस विभाग में हमारी प्रतिष्ठा का डंका बजता रहा है।

गैर सिखों के नाम ना काटने पर लोस चुनाव में सरकार का विरोध करेंगे सिख

कैथल (हिंस)। एचएसजीएमसी की वोटर लिस्ट से गैर सिखों के नाम में काटने पर पूर्व सदस्यों ने लोकसभा चुनाव में सरकार के विरोध का ऐलान किया। सोमवार को गुरुद्वारा नीम साहब में अवतार सिंह चक्कू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में एचजीएमसी के पूर्व सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में एचएसजीएमसी के पूर्व जनरल सेक्रेटरी जसबीर सिंह भाटी ने कहा कि हरियाणा में अलग कमेटी बनाने के लिए जिन लोगों ने संघर्ष किया उन लोगों को एचएसजीएमसी से दूर रखा गया है। भूपेंद्र सिंह असंध को कमेटी का प्रधान बनाया गया है, जबकि भूपेंद्र सिंह ने अलग कमेटी के लिए किए गए संघर्ष का जमकर विरोध किया था। सरकार की ओर से कहा गया था कि नई कमेटी का गठन करते समय संघर्ष करने वाले लोगों को भी तरजीह दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। अब अब हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के बनाए जा रहे वोटो में गैर सिखों के भी वोट बनाए जा रहे हैं। हरियाणा में 22 लाख से अधिक सिख वोट हैं। अगर सरकार ने एचजीएमसी की वोटर लिस्ट से गैर सिख्खों के नाम नहीं हटाए गए तो आने वाले लोकसभा चुनाव में सिख सरकार का विरोध करेंगे। पूर्व सदस्य अवतार सिंह चक्कू ने कहा कि एचजीएमसी का चुनाव लड़ने के लिए तैयारी करने हेतु 14 सदस्य कमेटी का गठन किया गया है। जिसे जल्द ही रजिस्टर्ड करवाया जाएगा। फर्जी वोट बनाने के मुद्दे पर पूरा सिख समाज एकजुट है। अगर जल्द ही सरकार ने इन वोटो को नहीं काटा तो सिख समाज कोई दूसरा कठोर फैसला भी ले सकता है। बैठक में बलदेव सिंह बल्ली, जसबीर सिंह भाटी, जसविंदर सिंह पीपलथेह, अपार सिंह, जीत सिंह खालसा, सुखमीत सिंह, बलवंत सिंह गुहला, दलजीत सिंह बिलासपुर, दिलबाग सिंह कपूरी कृपाल सिंह मकोर, गुरुचरण सिंह, मनिंदर सिंह एडवोकेट व सतेंद्र भाटिया ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद सिख समुदाय का प्रतिनिधिमंडल अवतार सिंह चक्कू की अगुवाई में डीसी के नाम ज्ञापन देने के लिए लघु सचिवालय पहुंचा। नायब तहसीलदार आशीष कुमार ने सिख समुदाय के प्रतिनिधिमंडल को बताया कि लिस्ट बनाते समय कंप्यूटर ने गलती से विधानसभा की लिस्ट से गैर सिखों के नाम उठा लिए। किसी गैर सीखने एचजीएमसी की वोट के लिए फॉर्म नहीं भरा।

सरकार और समाज दोनों के समन्वित प्रयासों से ही शिक्षा नीति का पूर्ण क्रियान्वयन संभव : अतुल कोठारी

जयपुर (हिंस)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली की प्रांत संयोजक बैठक सोमवार को प्रारम्भ हुई। अग्रवाल पी जी कॉलेज में आयोजित हो रही इस बैठक का उद्घाटन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी, भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल, अग्रवाल शिक्षा समिति के सदस्य मनोज केडिया, अग्रवाल पी जी कॉलेज की प्राचार्य मीनल बाफना ने किया। उद्घाटन सत्र में बैठक की प्रस्तावना रखते हुए डॉ. अतुल ने कहा कि न्यास का लक्ष्य देश की शिक्षा को नया विकल्प देना है। यह सिर्फ नारा नहीं है, न्यास कोई भी बात करता है वो पहले प्रत्यक्ष अनुभव करता है उसके बाद बोलता है। यही भारतीय पद्धति व परंपरा है। हमारा सौभाग्य है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 आई जो देश का भविष्य बदलने वाली है। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में सरकार और समाज एक रेल के दो पहिए की तरह हैं दोनों के समन्वय और संतुलन से ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पूर्ण रूप से क्रियान्वयन संभव है। की अध्यक्षता कर रहीं डॉ. पंकज मित्तल ने कहा कि सात वर्ष पहले अतुल कोठारी ने अपनी पुस्तक उच्च शिक्षा भारतीय दृष्टि में जो लिखा है उसमें से अधिकतम बातें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में आई है। अग्रवाल शिक्षा समिति के सदस्य मनोज केडिया ने देशभर से आए सभी कार्यकर्ता बंधुओं का स्वागत करते हुए यह आश्वासन दिया कि निश्चित ही यह बैठक के बाद न्यास की एक ठोस योजना बनेगी। बैठक के विषय में जानकारी देते हुए क्षेत्र संयोजक चंद्रशेखर कछावा जी ने बताया कि इस दो दिवसीय बैठक में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के कार्यों का अनुवर्तन व आगामी योजना पर चर्चा हुई। आगामी योजना के अंतर्गत न्यास वैदिक अंक गणित, बीज गणित, ज्यामिति का पाठ्यक्रम तैयार कर रहा है, साथ ही शोध, पर्यावरण, तकनीकी, चरित्र निर्माण, शिक्षक-शिक्षा जैसे न्यास के सभी विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी व कार्यशाला आयोजित करेगा।

सड़क दुर्घटना में तनोट माता के दर्शन कर लौट रहे तीन दोस्तों की मौत, एक गंभीर घायल

जैसलमेर (हिंस)। तनोट माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे गुजरात के दोस्तों की कार बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना बोर टोल प्लाजा के पास सोमवार सुबह घने कोहरे के चलते किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। इस भीषण दुर्घटना में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार गुजरात से चार युवक एक कार से तनोट माता के दर्शन करने जैसलमेर आए थे। यह लोग दर्शन कर वापस अहमदाबाद जा रहे थे। सोमवार की सुबह करीब सात बजे बाड़मेर जिले में नेशनल हाईवे-68 पर धोरीमन्ना बोर टोल प्लाजा के पास किसी अज्ञात वाहन से उनकी कार टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार आगे से पूरी तरह पिचक गई और कार सवार चारों युवक उसमें फंस गए। राहगीरों ने रस्सी से गाड़ी के अगले हिस्से को खींच कर चारो युवकों को बाहर निकाला और धोरीमन्ना अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक अन्य युवक गंभीर घायल हो गया। धोरीमन्ना पुलिस के अनुसार कि मृतकों की पहचान जितिन (48) पुत्र गिरिधर पटेल, विष्णु (50) पुत्र प्रहलाद भाई पटेल और जिग्नेश कुमार (50) पुत्र चंदू सुथार के रूप में हुई है। ये तीनों अहमदाबाद के रहने वाले थे। दुर्घटना में गांधीनगर निवासी विष्णु भाई (49) पुत्र रमन पटेल गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद डीसा (गुजरात) के जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। दुर्घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया।

सेंट थॉमस चर्च में क्रिसमस पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हिसार (हिंस)। क्रिसमस के अवसर पर शहर के क्रांतिमान पार्क के पास स्थित सेंट थॉमस चर्च में श्रद्धालुओं ने कैंडल जलाकर प्रभु ईसा मसीह को याद किया। सोमवार सुबह से ही क्रिसमस पर्व पर ऐतिहासिक सेंट थामस चर्च में ईसाई समुदाय के लोग उमड़े। हिसार की यह चर्च लगभग 158 साल पुरानी बताई जाती है। सोमवार को क्रिसमस के अवसर पर पादरी आईपी मन ने प्रभु ईसा मसीह का संदेश पढ़ा। इसके बाद चर्च में प्रार्थना शुरू हुई। क्रिसमस के दिन सेंट थॉमस चर्च में हिसार के अलावा आसपास के जिलों के काफी संख्या में लोग पूजा करने के लिए आते हैं। ईसाई समुदाय के लोग अपने पूर्वजों की कब्र पर मोमबत्ती लगाकर और फूल चढ़ाकर प्रार्थना करते हैं।

मुख्यमंत्री का एसएमएस अस्पताल दौरा

नदारद चिकित्सकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को सवाई मानसिंह अस्पताल के बांगढ़ परिसर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न वार्डों में स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया व मरीजों और उनके परिजनों से मिलकर कुशलक्षेम पूछी। साथ ही, इलाज में आ रही बाधाओं का त्वरित निस्तारण कर उचित चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सकों को निर्देश दिए। इस दौरान शर्मा ने अस्पताल में बिना पूर्व सूचना नदारद रहे चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मियों, सफाईकर्मियों व अन्य कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू), रजिस्ट्रेशन व दवा वितरण केंद्र का भी निरीक्षण किया तथा अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की शुद्धता एवं गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर अचल शर्मा मौके पर पहुंचे। अस्पताल में गंदगी देखकर सीएम जबरदस्त नाराज हुए। उन्होंने डॉक्टर अचल शर्मा से नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि ऑफिस में बैठकर काम नहीं होगा। कभी बाहर निकलकर हालात देखे हैं क्या? मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि नियमित बैठक कर सुनिश्चित करें की सफाई व्यवस्था, इलाज और दवा वितरण पर किसी को भी परेशानी नहीं हो। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अस्पताल अधीक्षक एवं अन्य चिकित्सा अधिकारियों को नियमित साप्ताहिक मॉनिटरिंग कर अस्पताल परिसर की अच्छी साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए।

अटल बिहारी वाजपेयी ने जन कल्याण की अनेक नीतियां लागू की : कैप्टन भूपेंद्र

हिसार (हिंस)। भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने शासनकाल में जन कल्याण की नीतियां लागू की, जिन्हें सदैव याद रखा जाएगा। स्व. श्री वाजपेयी का राजनीतिक जीवन ऐसा रहा, जिसके विपक्षी भी सदैव कायल रहे। वे सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की नीतियों व कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके शासनकाल में लागू हुई जनकल्याण की योजनाओं का जनता को न केवल फायदा मिल रहा है। जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष के अलावा जिला महामंत्री प्रवीण पोपली, जिला मीडिया प्रमुख राजेंद्र सपड़ा, मनोज कुमार, ईश्वर सैनी नाटा, सुंदर सोनी, कृष्ण कुमार, मनोज केसरी व नवीन कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में कोरोना की एंट्री, पीजीआई को किया गया अलर्ट

रोहतक (हिंस)। प्रदेश में एक बार फिर से कोरोना की एंट्री हो गई है और छह मरीज कोरोना पॉजटिव पाए गए है। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिला चिकित्सा अधिकारियों को अलर्ट किया गया है। इसके अलावा कोरोना को देखते हुए पीजीआई प्रबंधन भी तैयारियों में जुट गया है। बताया जा रहा है कि पीजीआई में जीनोम सीक्वेंसिंग टेस्टिंग भी शुरू की जा रही है। साथ ही वरिष्ठ चिकित्सकों ने पुरानी बीमारी से ग्रसित मरीजों व कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को मास्क लगाने की सलाह भी दी है। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश के सभी स्वास्थ्य अधिकारियों से व्यवस्थाओं को लेकर रिपोर्ट मांगी गई है। प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक रणदीप पुनिया की ओर से सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों को अलर्ट रहने को कहा गया है। अभी तक प्रदेश में छह मरीज कोरोना पॉजटिव पाए गए हैं और इन्हें घर पर ही रखा गया है। राहत की बात यह है कि इन मरीजों मे जेएन-1 की पुष्टि नहीं हुई है। पीजीआई प्रबंधन ने भी कोरोना से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। जल्द ही जीनोम सीक्वेंसिंग टेस्टिंग भी शुरू कर दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज लगातार स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क साध रहें है। उन्हें निर्देश भी दिये गए है कि अस्पतालों में तमाम प्रबंध किए जाए, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। बताया जा रहा है कि अभी भी प्रदेश में करीब दो हजार से लोगों की जांच की जा रही है। अभी तक 87 संदिग्ध मरीजों की पहचान की गई है, जिनके सेंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर अभी कोई केस सामने नहीं आया है और सर्दी-खांसी या जुखाम वाले मरीजों के आरटीपीसीआर टेस्ट करने को कहा गया है। कोरोना को देखते हुए पीजीआई में वार्ड 24 को रिजर्व रखा गया है और अन्य तैयारियां भी पूरी की जा रही है। साथ ही सिनियर डॉक्टरों की बैठकों को दौर जारी है। इसके अलावा ऑक्सीजन को लेकर पहले ही तमाम प्रबंध किए गए है। पीजीआई में ऑक्सीजन के नए प्लांट भी शुरू किए जा चुके है।

वेतनमान के लिए 62 हजार सहायक अध्यापक 28 से घेरेंगे मुख्यमंत्री आवास

पलामू (हिंस)। झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा राज्य ईकाई के आह्वान पर सोमवार को मध्य विद्यालय, सुदना में सहायक अध्यापकों की बैठक हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने की। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश इकाई के नेतृत्वकर्ता प्रद्युम्न कुमार सिंह (सिंटू), विनोद तिवारी एवं ऋषिकांत तिवारी उपस्थित हुए। सिंटू सिंह, विनोद तिवारी एवं ऋषिकांत तिवारी ने एक स्वर में कहा कि 20 वर्षों से काम कर रहे 62 हजार सहायक अध्यापकों को वेतनमान देने के मुद्दे पर हेमंत सोरेन की वादाखिलाफी के विरोध में राज्य के सहायक अध्यापक आक्रोशित हैं एवं इस बार वेतनमान सहित विभिन्न समस्याओं के निदान होने तक सरकार से संघर्ष जारी रहेगा। सरकार तय करे कि अगली बार विधानसभा चुनाव में सहायक अध्यापकों का साथ चाहिए या आक्रोश देखना है। जिलाध्यक्ष मनोज ने सभी प्रखंड कमेटियों को मुख्यमंत्री आवास घेराव की तैयारी करने, सहयोग राशि प्राप्त करने एवं 28 दिसंबर को मुख्यमंत्री आवास के अनिश्चितकालीन घेराव के लिए पलामू से 5 हजार सहायक शिक्षकों को कूच करने के लिए रोडमैप बनाने का आह्वान किया।

अटल जी की रखी आधारशिला पर मोदी सरकार कर रही भारत का विकास : योगी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत अन्य मंत्री व भाजपा नेताओं ने अटल जी को नमन किया। सभी ने अटल जी की जयंती अवसर पर लोकभवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत माता के महान सपूत भारत रत्न अटल जी की आज पावन जयंती है। इस अवसर पर अटली जी की सभी स्मृतियों को नमन करते हुए उनके श्री चरणों में अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम सब जानते हैं कि अटल जी भारत की राजनीति के अजात शत्रु थे। भारत को राजनीतिक अस्थिरता से उबारने का काम किया था। देश की राजनीति में पारदर्शिता एवं शुचिता का एक आदर्श प्रतिमान उन्होंने रखा था। यही कारण है कि आज पिछले साढ़े नौ वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुरक्षा और सुशासन के जो नए प्रतिमान स्थापित किए हैं जिसकी आधारशिला अटल जी ने अपने शासन काल में रखी थी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिवस सुशासन दिवस के रूप में भाजपा और सरकारें अटल जी की जन्म जयंती मना रही हैं। अटल जी को याद कर रही हैं। जिन मूल्यों व आदर्शों के साथ अटल जी ने जीवन जिया था, उन्हीं मूल्यों और आदर्शों के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प ले रही हैं। अटल जी की जन्म जयंती का शताब्दी वर्ष भी है। हम सब जानते हैं कि अटल जी का जन्म मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में हुआ था। लेकिन उन्होंने कर्मभूमि के रूप में उप्र को चुना। साथ ही उन्होंने शिक्षा भी यहीं ग्रहण किया। आगरा में उनकी पैत्रिक भूमि है। सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता एवं शुचिता का आदर्श रखा है। साहित्य और पत्रिका के क्षेत्र में भी उनका अहम योगदान रहा है। आज हम सब उन्हें नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, पूर्व मंत्री व एमएलसी मोहसिन रजा, एमएलसी गोविन्द नारायण शुक्ला, विधायक पंकज सिंह, नीरज बोरा, लालजी प्रसाद निर्मल, मुकेश शर्मा, मेयर सुषमा खर्कवाल, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला, आलोक अवस्थी, मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आएंगे तो मोदी ही और छाएंगे तो मोदी ही : शाहनवाज हुसैन

भागलपुर (हिंस)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने सोमवार को भागलपुर में कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में नीतिश कुमार को खाना मिलता है। भोजन के लिए ही यह लोग बैठक में जाते हैं। वहां इंडी गठबंधन के लोग अलग अलग व्यंजन का रस लेते हैं। यह लोग किट्टी पार्टी करते हैं। एक दूसरे से विचार नहीं मिलते हैं और एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं। शहनवाज हुसैन ने कहा कि आएंगे तो मोदी ही छाएंगे तो मोदी ही। भाजपा में कोई भी शामिल हो सकता है। एक मिसकॉल पर लोग भाजपा का सदस्य बन सकते हैं। लेकिन जदयू के लिए भाजपा का दरवाजा खुला नहीं है। नीतिश कुमार हमारे साथ थे तो अच्छे थे। अब न खुदा रहा न विशाले सनम न इधर के रहे न उधर के रहे।

बिहार और बुंदेलखंड के किसान दूसरे प्रांत में मजदूरी करने को विवश : राकेश टिकैत

बांदा (हिंस)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत सोमवार को मंडलीय किसान कार्यशाला में सम्मिलित होने बांदा पहुंचे। यहां किसानों को संबोधित करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि देश में इस समय जालसाज सरकार है। नेता और उद्योगपतियों का गठबंधन है। केंद्र व प्रदेश की सरकार कम रेट पर उद्योगपतियों को कीमती भूमि दिला रही हैं। महंगाई बढ़ गई है लेकिन सर्किल रेट नहीं बड़ा है। किसानों की जमीन बिकने से बिहार और बुंदेलखंड के किसान दूसरे प्रांत में मजदूरी करने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से किसानों को संगठित करने निकले हैं। हमारा लक्ष्य एमएसपी गारंटी कानून लागू करवाना है। इस मुद्दे को लेकर किसानों को संगठित किया जा रहा है। इसके लिए तीन-तीन दिन का दौरा चल रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम किसी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं करते हैं। हमने इसके पहले छत्तीसगढ़ में सरकार की नीतियों का विरोध किया और अभी भी विरोध जारी है। कहा कि एमएसपी गारंटी कानून न बनने से किसानों को उपज का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार ने कई बार वादा किया लेकिन उसे कानून नहीं बनाया है, इसलिए किसान की फसले सस्ते में बिक रही हैं।

श्री राम जन्मभूमि का पूजित अक्षत घर-घर वितरण को तैयार : डॉ. आशीष

जौनपुर (हिंस)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या से जौनपुर के लिए प्राप्त पूजित अक्षत विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने हर घर वितरण के लिए थैलों में भर कर माधव संघ आश्रम पर सुरक्षित रख दिया है। इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री डॉ. आशीष मिश्रा ने बताया कि यह पूजित अक्षत जिले के सभी गांवों, कस्बों, मोहल्लों में विहिप, संघ एवं विचार परिवार के द्वारा जिला अभियान प्रमुख विमल सिंह के नेतृत्व में प्रत्येक हिंदू परिवारों में निमंत्रण पत्र के साथ पहुंचाया जाएगा। इसके लिए सभी गांवों में रामभक्तों की अभियान टोली बनाई जा रही है। विहिप के जिलाध्यक्ष विमल सिंह ने बताया कि अक्षत वितरण की जागरू कता हेतु एक बड़ी कलश यात्रा 31 दिसंबर को नगर के सद्भावना पुल से शहर भ्रमण के लिए निकाली जायेगी। इस महान अभियान का हिस्सा बनने के लिए 22 जनवरी को श्री राम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जनपद के सभी मंदिरों में पूर्वाह्न 11 बजे सभी हिंदू परिवार मिलकर बड़ी संख्या में वहां हरि कीर्तन करें, पूजा पाठ करें, प्रसाद वितरण करें एवं शाम को घर में दीपक जलाकर दीपावली मनाएं।

नववर्ष में घर बैठे कर सकते हैं श्री काशी विश्वनाथ का रुद्राभिषेक

वाराणसी (हिंस)। नव वर्ष 2024 के पहले दिन श्री काशी विश्वनाथ दरबार का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए रुद्राभिषेक की व्यवस्था की गई है। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने अपने वेबसाइट के माध्यम से यह जानकारी दी है। बताया गया कि 700 रुपए में 1 जनवरी 2024 को घर बैठे शिवभक्त वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बाबा का रुद्राभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन रुद्राभिषेक की सुविधा के लिए बुकिंग शुरू हो गई है। बुकिंग के लिए वेबसाइट पर क्लिक करना होगा। 1 जनवरी को रुद्राभिषेक का दिन सोमवार होगा। रुद्राभिषेक 4 टाइम स्लॉट में होंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री के जन्म दिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाया

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया। महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष लक्ष्मी रंजन के आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अटल जी को श्रद्धासुमन अर्पित किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके तस्वीर पर पुष्प और माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर के महामंत्री प्रसन्नजीत चौधरी ने किया तो मंच संचालन नगर महामंत्री प्रदीप कर्ण ने किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा विधायक विद्यासागर केशरी ने कार्यकर्ताओं को बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयीजी की जयंती पर उनका स्मरण कर उन्हें नमन करता हूं। अटल जी ने नि:स्वार्थ भाव से देश व समाज की सेवा की और भाजपा की स्थापना के माध्यम से देश में राष्ट्रवादी राजनीति को नई दिशा दी। जहां एक ओर उन्होंने परमाणु परीक्षण और कारगिल युद्ध में विश्व को उभरते भारत की शक्ति का एहसास करवाया, तो वहीं दूसरी ओर देश में सुशासन की परिकल्पना को चरितार्थ किया। उनके विराट योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। विधानसभा प्रभारी रंजीत मिश्रा और विस्तारक आलोक कुमार साहा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जीवनपर्यंत राष्ट्र निर्माण को गति देने में जुटे रहे। मां भारती के लिए उनका समर्पण और सेवा भाव अमृतकाल में भी प्रेरणास्रोत बना रहेगा। नगर उपाध्यक्ष अविनाश कन्नौजिया अंशु एवं शिवानी सिंह ने कहा कि अटल जी भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, हमारे पथ प्रदर्शक हैं। राष्ट्रोत्थान व जनसेवा को समर्पित उनका संपूर्ण जीवन सदैव हमारी प्रेरणा बना रहेगा। वही कार्यक्रम का समापन महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष लक्ष्मी रंजन ने धन्यवाद ज्ञापन करके किया। मौके पर भाजपा नेता गणेश ठाकुर, अशोक मंडल, रजत रंजन, सतीश श्रीवास्तव, प्रमोद पासवान, गोपाल साह सोनू, शिवराम शर्मा, संजय डाबरीवाला, नंदन साह, राजेश सिन्हा, उमाकांत भगत, चनरदीप गुप्ता, अमित निराला, राजीव शेखर, राधा देवी, कृष्ण सिन्हा, बुछु साह, शम्भू दयाल साह, अभिनंदन शशि, अमल ओझा, पप्पू राय, रामजी प्रसाद साह, नंदन ठाकुर, रानी देवी, गायत्री देवी, रेणु देवी, बेबी श्रीवास्तव, शिला देवी, पूनम देवी, कामिनी झा, रीता देवी, मंजू गुप्ता, सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

अधिक फायदे के लिए जल्दी शुरू करें निवेश, नहीं करें सही समय का इंतजार

नई दिल्ली ।

हमारी सीरीज को पढ़ने वाले एक व्यक्ति का संदेश आया था। वे 34 वर्ष के हैं और जानना चाहते थे कि रिटायरमेंट के लिए बचत शुरू करने का सही समय क्या है। रिटायरमेंट को जीवन का एक हिस्सा मानना तब शुरू होता है, जब कोई व्यक्ति 60 वर्ष या उससे अधिक का हो जाता है। जो 30-40 साल के होते हैं उन्हें रिटायरमेंट दूर लगता है। पर सच्चाई यह है कि इसे जल्दी शुरू कर देना चाहिए। मैं इसे तीन दोस्तों - विजय, अजय और जय की कहानी से समझाता हूँ। वे हमेशा एक साथ रहे और जब कॉलेज के बाद नौकरी का समय आया, तो वे सभी एक ही शहर में रहे, लेकिन अलग-अलग कंपनियों में काम करने लगे। उनकी कमाई लगभग समान थी, इसलिए उनके जीवन में अवसर भी लगभग समान थे। अब, विजय ने नौकरी के दो साल बाद हर साल 5,000 रुपये की बचत और निवेश करना शुरू कर दिया, क्योंकि वह यह सुनिश्चित करना चाहता था कि सेवानिवृत्त होने तक उसके पास पर्याप्त पैसा हो। अजय ने शादी के बाद बचत शुरू करने का फैसला किया और बचत पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, क्योंकि उसे लगा कि शादी होने तक वह अच्छे जीवन का अनुभव बेहतर कर सकता है। इसलिए, अजय ने विजय की तरह समान राशि बचाना शुरू तो किया, लेकिन पांच साल बाद। जबकि जय उन सभी में से सबसे सुपर कूल था। वह निवेश के लिए बच्चे पैदा होने का इंतजार किया। अब 12 प्रतिशत के रिटर्न के आधार पर तीनों के निवेश का परिणाम काफी अलग था। विजय के पास 55 साल की उम्र में 1.8 करोड़ रुपये थे। अजय के पास 94.8 लाख रुपये और जय के पास सिर्फ 49.9 लाख रुपये ही जमा हो पाया। पांच साल की देरी से निवेश करने के कारण आपकी जमा राशि उस राशि की आधा हो सकती है जो आप पांच साल पहले शुरू करते। अगर हम यह मान लें कि जय 5,000 की जगह 10,000 रुपये मासिक निवेश किया तो 20 वर्षों तक 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न के आधार पर भी उसके पास विजय के 99.9 लाख रुपये से कम होगा। इससे सीखने वाली बात यह है कि पैसा जितने लंबे समय तक निवेशित रहेगा, उसके रिटर्न की संभावना उतनी ही अधिक होगी। एक और कारण वह यह है कि कार या घर खरीदने या यहां तक कि बच्चों को शिक्षित करने के लिए तो कर्ज मिल जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय कंपनियों के लिए साइबर जोखिम सबसे बड़ा खतरा; पीडब्ल्यूसी के ग्लोबल रिस्क के अध्ययन में खुलासा

नई दिल्ली । भारतीय कंपनियां साइबर जोखिम को सबसे बड़ा खतरा मानती है। यही वजह है कि अब भारतीय कंपनियां साइबर सुरक्षा को मजबूत करने पर खासा ध्यान दे रही है। 2022 से इसकी तुलना करे तो 2023 में साइबर सुरक्षा तीसरे स्थान की जगह पहले स्थान पर पहुंच गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो पिछले साल यह जहां तीसरी प्राथमिकता थी, वहीं अब पहली प्राथमिकता बन गई है। पीडब्ल्यूसी के ग्लोबल रिस्क सर्वे, 2023 में 38 फीसदी प्रतिभागियों ने अपने लिए साइबर जोखिम को सबसे बड़ा खतरा करार दिया। भारत केंद्रित यह सर्वे 67 क्षेत्रों में व्यापार और जोखिम प्रबंधन संभालने वाले लीडर्स (सीईओ, बोर्ड, जोखिम प्रबंधन, संचालन, प्रौद्योगिकी, वित्त, ऑडिट) की 3,910 सर्वे प्रतिक्रियाओं पर आधारित हैं। इस सर्वे में 163 भारतीय संगठनों को शामिल किया गया था। सर्वे के मुताबिक, अन्य डिजिटल और प्रौद्योगिकी जोखिम भारतीय व्यापार जगत के लिए एक बड़ी चिंता (35 प्रतिशत) का विषय हैं। निष्कर्ष बताते हैं कि भारतीय संगठन इससे निपटने के लिए साइबर सुरक्षा में खुलकर निवेश करना चाहते हैं। करीब 55 फीसदी उत्तरदाताओं ने कहा कि अगले एक से तीन साल में साइबर सुरक्षा उपकरणों पर निवेश करेंगे। वैश्विक स्तर पर 61 प्रतिशत संगठन साइबर जोखिम को कम करने पर दे रहे ध्यान सर्वे के मुताबिक, 55 फीसदी ही उत्तरदाताओं ने कहा कि एआई, मशीन लर्निंग और ऑटोमेशन प्रौद्योगिकियों में निवेश की योजना बना रहे हैं।

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 8 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा के लिए एसईसीआई के साथ किया समझौता

मुंबई। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) के साथ 25 साल के लिए 1,799 मेगावाट सौर ऊर्जा का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही एजीईएल ने जून 2020 में एसईसीआई द्वारा दिए गए 8,000-मेगावाट के विनिर्माण-लिंक्ड सोलर टेंडर के लिए पावर ऑफटेक टाई-अप पूरा कर लिया है, जो सौर ऊर्जा के लिए दुनिया का सबसे बड़ा टेंडर है। एजीईएल के सीईओ अमित सिंह ने कहा कि कंपनी ने भारत के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्य को प्राप्त करने और आत्मनिर्भर भारत में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में एक टिकाऊ ऊर्जा परिदृश्य को सक्षम करने के लिए सबसे बड़ा समझौता किया है। सिंह ने कहा, 2030 तक भारत के 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, अदाणी ग्रीन 45 गीगावॉट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो हमारे वर्तमान ऑपरेटिंग पोर्टफोलियो से पांच गुना अधिक है। यह सस्ती और सुलभ स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने के हमारे संकल्प की पुष्टि करता है। 2 गीगावॉट पीवी (फोटोवोल्टिक) सेल और मॉड्यूल विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना सहित एसईसीआई के सौर पीवी टेंडर के लिए एजीईएल की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने अपने सहयोगी मुंद्रा सोलर एनर्जी लिमिटेड के माध्यम से 2-गीगावॉट प्रति वर्ष सौर पीवी सेल और मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्र चालू किया है।

बिटकॉइन माइनर्स को 2023 में लेनदेन राजस्व में 400 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। लेनदेन शुल्क के रूप में बिटकॉइन माइनर्स द्वारा एकत्र किया गया राजस्व 2023 में प्रति दिन औसतन लगभग 2 मिलियन डॉलर था, जिसमें अगले साल-400 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। बिटकॉइन सेल्फ-कस्टडी प्लेटफॉर्म कासा के सह-संस्थापक जेम्सन लोप के अनुसार, बिटकॉइन माइनर्स ने 2023 में 10 बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया,बिटकॉइन माइनर्स ने 2023 में 10 बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की, जो 15 वर्षों में कुल 57 बिलियन डॉलर की तुलना में महत्वपूर्ण उछाल है। रिपोर्ट के अनुसार, बिटकॉइन माइनर्स ने ब्लॉक पुरस्कारों में 44 मिलियन डॉलर से अधिक कमाए, भले ही खनन कठिनाई 3.55 प्रतिशत बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। क्रिप्टो बाजार खुफिया उत्पादों के अग्रणी प्रदाता मेसारी ने पोस्ट किया कि बीटीसी माइनर्स ने नवंबर में महत्वपूर्ण उद्यम पूंजी निवेश को आकर्षित किया।

बायजू-पेटीएम से मीशो और स्विगी तक छंटनी, 2023 में भारतीय स्टार्टअप्स में खूब गई नौकरी

नई दिल्ली ।

साल 2023 समाप्त हो रहा है। यह साल भारतीय आईटी कंपनियों खासकर स्टार्टअप्स के लिए कई मायनों में अहम साबित हुआ है। 2023 में लगभग पूरे साल भर विभिन्न कंपनियों में छंटनी की खबरें आईं। आइए एक नज़र डालते हैं उन कंपनियों पर जिन्होंने बीत रहे साल में अपने कर्मचारियों की छंटनी की और साथ ही इस छंटनी का कारण भी समझते हैं।

मीडिया में आई खबरों के अनुसार 2023 में, लगभग 100 भारतीय स्टार्टअप्स में 15,000 से अधिक कर्मचारियों को छंटनी का सामना करना पड़ा। लेऑफ्स डॉट एफवाईआई के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्तीय तंगी से जूझ रही कई कंपनियों ने अपना खर्च कम करने के लिए छंटनी का सहारा लिया। आईए जानते हैं इस लिस्ट में कौन-कौन से प्रमुख स्टार्टअप्स हैं।

पेटीएम - पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने परिचालन को अनुकूल बनाने और कर्मचारियों की लागत को 15 प्रतिशत तक कम करने के लिए छंटनी का फैसला किया है। कपनीं ने अपने सैकड़ों कर्मचारियों कोबाहर कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार पेटीएम के विभिन्न विभागों में 1,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। बीते कुछ महीनों के दौरान हुई छंटनी के तहत भुगतान, उधार, संचालन और बिक्री जैसे डिवीजन प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार करीब कंपनी के कुल कार्यबल का करीब दस प्रतिशत छंटनी की चपेट में आया है।

मीशो - ई-कॉमर्स वेबसाइट मीशो ने हाल ही में छंटनी का तीसरा दौर शुरू किया, इसके तहत 15 प्रतिशत कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फैसले को कंपनी के संस्थापक और सीईओ विदित आत्रेय ने एक ईमेल के जरिए साझा किया। सभी प्रभावित कर्मचारियों को नोटिस अवधि के साथ-साथ ईएसओपी के बाद एक महीने का अतिरिक्त वेतन मिलेगा, भले ही वे कंपनी के साथ कितने भी समय तक रहे हों।

उड़ान - बिजनेस टू बिजनेस ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उड़ान ने इस साल कथित तौर पर 150 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। यह संख्या उसके उसके कुल कर्मचारियों का लगभग 10 प्रतिशत है। उड़ान ने अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और नए वित्त पोषण के साथ विक्रेता साझेदारी को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। माना जा रहा है कि इसी के तहत छंटनी का फैसला लिया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान की छंटनी उसके संचालन के तरीके में बुनियादी बदलाव के कारण हुई है।

मोहल्ला टेक (शेयरचैट, मोज) - सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शेयरचैट और शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म मोज चलाने वाली मोहल्ला टेक प्राइवेट लिमिटेड ने भी 2023 में अपने लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कंपनी ने इस कारण छंटनी का कारण पूंजी की लागत और उपलब्धता को प्रभावित करने वाले बाहरी मैक्रो कारकों को बताया। छंटनी के अपने दूसरे दौर में, गूगल से सहायता प्राप्त शेयरचैट ने भी अपने लगभग 15 प्रतिशत कर्मचारियों को निकालने का फैसला किया। रिपोर्ट्स में कंपनी के हवाले से बताया गया कि स्थानीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अगले डेढ़ साल में लाभदायक बनने के लिए लागत में कटौती करना चाहता है। छंटनी से विभिन्न क्षेत्रों के करीब 200 कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कुल 1300 कर्मचारियों की छंटनी का दवा किया गया।

डुंजो - 2023 में डुंजो नाम स्टार्टअप ने भी 30 प्रतिशत कर्मचारियों के छंटनी की घोषणा की। रिपोर्ट्स के अनुसार छंटनी की इस कवायद के दौरान कंपनी के करीब 300 कर्मचारी बाहर हो गए। रिपोर्ट्स के अनुसार किराना डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने गूगल और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे दिग्गज निवेशकों से करीब 75 मिलियन डॉलर का वित्त पोषण भी हासिल किया है।

स्विगी - लेऑफ डॉट एफवाईआई के अनुसार, स्विगी ने साल 2023 में उत्पाद, इंजीनियरिंग और परिचालन विभागों में 380 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कंपनी ने अपना मीट मार्केटप्लेस भी बंद करने का फैसला किया है।

जेस्टमनी - जेस्टमनी प्रबंधन ने कुछ समय पहले एक टाउन हॉल में कर्मचारियों को सूचित किया कि कंपनी अपना परिचालन बंद कर रही है। कंपनी ने उस दौरान अपने कर्मचारियों से नई नौकरियों की तलाश करने के लिए कहा है। कंपनी ने कहा है कि वह केवल 31 दिसंबर तक उनके वेतन का भुगतान करने में सक्षम होगी। फोनपे के साथ अधिग्रहण सौदा टूटने के तुरंत बाद बेंगलुरु स्थित बाय-नाउ-पे-लेटर प्लेटफॉर्म जेस्टमनी ने छंटनी का एलान किया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, फिनटेक कंपनी ने अपनी व्यवसाय निरंतरता और अस्तित्व योजनाओं के हिस्से के रूप में अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत की कटौती की। कई रिपोर्ट्स में इस छंटनी का पहले ही दावा किया गया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी के इस फैसले से करीब 100 कर्मचारी प्रभावित होंगे।

आईपीओ से करते हैं बंपर कमाई तो आपको भरना होगा टैक्स, एक साल में बेचा तो 15 प्रतिशत कर

नई दिल्ली ।

निवेशकों ने इस साल शेयर बाजारों में जारी तेजी का जमकर लाभ उठाया है। उन्होंने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में निवेश कर मोटा मुनाफा बनाया है। टाटा टेक्नोलॉजीज ने लिस्टिंग पर निवेशकों को 140 से 180 प्रतिशत तक और इरेडा ने 100 प्रतिशत तक मुनाफा दिया। इस लाभ को भुनाने के लिए भारी संख्या में निवेशकों ने लिस्टिंग के दिन या उसके कुछ दिनों बाद मुनाफे पर अपने शेयर बेचे होंगे। कर विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप लिस्टिंग के दिन या उसके कुछ दिनों बाद मुनाफा कमाने के बाद शेयर बेच देते हैं तो उस पर कर देनदारी बनती है। आईपीओ में मिले शेयरों की बिक्री पर भी कर उसी तरह लगता है, जैसे किसी सूचीबद्ध शेयर से होने वाली कमाई पर।

एक साल में बेचा तो 15 प्रतिशत कर

सूचीबद्ध होने के 12 महीने यानी एक साल के भीतर आईपीओ में आवंटित शेयरों को बेचकर मुनाफा कमाया है तो शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स (एसटीसीजी) टैक्स देना होगा। यह कुल मुनाफे का 15 फीसदी होगा। इस पर 4 फीसदी उपकर भी देना होगा। वहीं, आईपीओ के सूचीबद्ध होने के 12 महीने बाद शेयर बेचकर मुनाफा कमाने की स्थिति में 10 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स भरना पड़ता है। एक लाख रुपये से ज्यादा मुनाफे पर ही एलटीसीजी टैक्स लगता है। आपने 600 रुपये के भाव पर आईपीओ में 25 शेयर खरीदे। एक साल में इसे 1,000 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेच दिया। इस तरह, आपको कुल 10,000 रुपये का शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स प्राप्त हुआ। अब इस कमाई पर आपको 15 फीसदी की दर से कर चुकाना होगा, जो 1,500 रुपये बनता है। इसके अलावा, चार फीसदी यानी 60 रुपये उपकर भी देना होगा। इस तरह, आपको कुल 1,560 रुपये कर के रूप में देना होगा। इसी भाव पर शेयरों को एक साल के बाद बेचते हैं तो कुल मुनाफे पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स कर भरना होगा, जो 1,000 रुपये बनता है। आईपीओ के सूचीबद्ध होने के बाद शेयरों की कीमत खरीदारी भाव से नीचे चली जाती है तो तो इस घाटे को अन्य शेयरों से हुए मुनाफे के साथ समायोजित कर सकते हैं।

इंक्रेड ने 60 मिलियन डॉलर जुटाए 2023 में भारत का दूसरा यूनिकॉर्न बना

नई दिल्ली।

सूखे को खत्म करते हुए, फिनटेक ऋणदाता इंक्रेड इस साल नए और मौजूदा निवेशकों से 60 मिलियन डॉलर जुटाने के बाद भारत का दूसरा यूनिकॉर्न बन गया है, मीडिया ने यह खबर दी। इंट्रेकर की एक रिपोर्ट के अनुसार, इंक्रेड की धन प्रबंधन सहायक कंपनी इंक्रेड वेल्थ ने 36.76 मिलियन डॉलर के निवेश के साथ फंडिंग राउंड का नेतृत्व किया, इसके बाद एमईएमजी फैमिली ऑफिस ने 9 मिलियन डॉलर का निवेश किया। रिपोर्ट के मुताबिक, आरपी ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन रवि पिल्लई और डॉयचे बैंक के सह-प्रमुख राम नायक ने क्रमश: 5.4 मिलियन डॉलर और 1.2 मिलियन डॉलर का निवेश किया। इनक्रेड स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड वीसीसी, इनक्रेड की सिंगापुर-पंजीकृत इकाई, वेरेनियम कैपिटल एडवाइजर्स और एनएबीएस वृद्धि ने भी इस दौर में भाग लिया। इस फंडिंग के साथ, इंक्रेड का मूल्य अब 1.03 बिलियन हो गया है। फर्म ने पिछली बार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों से ऋण वित्तपोषण दौर में 68 मिलियन डॉलर जुटाए थे। वित्त वर्ष 2023 के दौरान इंक्रेड ने परिचालन पैमाने पर 77.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो वित्त वर्ष 22 में 488 करोड़ रुपये की तुलना में 865.6 करोड़ रुपये हो गया। ज़ोमैटो ने पिछले साल परेशानी मुक्त क्रेडिट सुविधाओं के लिए फिनटेक ऋणदाता इंक्रेड के साथ एक रणनीतिक साझेदारी में प्रवेश किया था। इसके एसएमई ऋणों के अलावा, जिसमें कार्यशील पूंजी ऋण, सावधि ऋण और चैनल वित्त शामिल हैं, इंक्रेड के उत्पाद पोर्टफोलियो में व्यक्तिगत ऋण, विवाह ऋण, चिकित्सा ऋण और यात्रा ऋण और शिक्षा ऋण भी शामिल हैं। देश में एक नए यूनिकॉर्न का जन्म तब हुआ है, जब 2023 में भारत के टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम में फंडिंग पिछले पांच वर्षों में सबसे कम रही है।

2030 तक भारत में सालाना एक करोड़ इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी बिक्री, ईवी उद्योग में पकड़ेगी रफ्तार

नई दिल्ली।

वर्ष 2023 के पहले 11 महीनों में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 50 फीसद बढ़ कर 13.87 लाख इकाइयां रही हैं और सड़क व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2030 तक भारत में सालाना एक करोड़ इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री होगी।

सिर्फ पांच वर्षों में भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग की ना सिर्फ एक मजबूत नींव पड़ चुकी है बल्कि तमाम अध्ययन यह बताते हैं कि भारत अगले एक दशक में दुनिया में ईवी उद्योग के सप्लाई चेन का एक अहम केंद्र के तौर पर स्थापित होगा। नई दिल्ली में पिछले हफ्ते समाप्त हुए ईवी एक्सपो यह बताता है कि ईवी उद्योग में नए अन्वेषण का केंद्र भारत बन रहा है। यहां के ईवी बाजार को गढ़ने में सिर्फ दिग्गज कंपनियों ही नहीं लगे हैं बल्कि मझोले व छोटी कंपनियां और स्टार्ट-अप की तैयारियां भी इस उद्योग के बेहतर भविष्य की तरफ इशारा करते हैं।अगर सिर्फ दिग्गज कार कंपनियों की बात करें तो वर्ष 2023 में देश की दो प्रमुख कार कंपनियां हुंडई और टाटा मोटर्स की ईवी बाजार में बेहद महत्वाकांक्षी माडलों की लांच होने वाली है। भारत के ईवी बाजार में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी (तकरीबन 75 फीसद) रखने वाली टाटा मोटर्स की सबसे सस्ती ईवी अगले महीने (जनवरी, 2024) में लाने की तैयारी है। इस लांचिंग के लिए ही हाल ही में कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विशेष शो रूम के नेटवर्क को खोलने की शुरुआत कर दी है। लेकिन ईवी बाजार में टाटा मोटर्स जो करने वाली है, उसकी यह सिर्फ छोटी सी झलक है। कंपनी की कम से कम तीन इलेक्ट्रिक कारें अगले वर्ष भारत में आने वाली हैं। इसके अलावा देश की दूसरी सबसे बड़ी कार कंपनी हुंडई मोटर इंडिया की भारतीय बाजार के लिए तैयार की गई पहली ईवी (एसयूवी) में लांच होने जा रही है। किया मोटर्स भी इस दौड़ में है लेकिन भारतीय ग्राहकों के लिए उसकी पहली एसयूवी वर्ष 2025 के शुरुआत में लांच करने की तैयारी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की भी इलेक्ट्रिक कार वर्ष 2024 के त्योहारी सीजन के आस-पास लांच करने की योजना है। यह तो हुई बड़ी दिग्गज कंपनियों की बात जो नई लांचिंग को लेकर है।

सरकार ने उपभोक्ता आयोगों के लिए ई-जागृति पोर्टल , वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा शुरु की

नई दिल्ली।

सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण और शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग और राज्य उपभोक्ता आयोगों के लिए ई-जागृति पोर्टल और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) सुविधा खोल दी है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में सुविधाओं का शुभारंभ करते हुए उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, ई-जागृति पोर्टल, एनसीडीआरसी के लिए वीसी सुविधा, एनटीएच में ड्रोन परीक्षण, 17 भाषाओं में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन 2.0, भारत सरकार के उपभोक्ताओं की विश्वास बहाली के प्रयासों का उदाहरण है।

मंत्री ने उपभोक्ता मामलों के विभाग से जागरुकता फैलाने, विकल्प प्रदान करने, उपभोक्ताओं को कुशल शिकायत निवारण और उनसे निरंतर प्रतिक्रिया प्राप्त करके जागृति को एक जन आंदोलन बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

उन्होंने इस तथ्य की सराहना की कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर प्राप्त कॉलों की संख्या 2013 में 10 हजार से बढ़कर इस वर्ष नवंबर तक 1,32,209 हो गई है।

मंत्री ने उपभोक्ता मामलों के विभाग से पुराने लंबित मामलों को पूरी तरह खत्म करने और नए मामलों को अधिक तेजी से और वास्तविक समय में संबोधित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में उपभोक्ता आयोगों के साथ मिलकर रणनीति बनाने का आग्रह किया।

हालाँकि, मंत्री ने यह भी आगाह किया कि इस तकनीकी विस्तार के साथ-साथ संबंधित जोखिमों में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, एआई और उपभोक्ता संरक्षण जैसे विषयों के बारे में चल रही बातचीत, जिसमें डार्क पैटर्न का शमन भी शामिल है, एक व्यापक हितधारक चर्चा की अनिवार्यता पर प्रकाश डालता है।

गोयल ने उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा हाल ही में जारी डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशानिर्देश, 2023 की सराहना की। 13 विशिष्ट डार्क पैटर्न को रेखांकित करने वाले इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य उपभोक्ताओं के लिए एक निष्पक्ष और पारदर्शी बाज़ार को बढ़ावा देना, हेरफेर प्रथाओं को रोकना और विनियमित करना है।

गोयल ने नेशनल टेस्ट हाउस और घरेलू उपकरण परीक्षण प्रयोगशाला, मुंबई में ड्रोन प्रमाणन सुविधा और नई प्रयोगशालाओं का भी उद्घाटन किया। मंत्री द्वारा गुवाहाटी में ट्रांसफार्मर परीक्षण सुविधा और जयपुर में जैविक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया गया।

आवश्यक वस्तुओं की कीमतों से संबंधित मुद्दों पर बोलते हुए, गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग के सहयोग से सक्रिय उपायों और मौद्रिक तथा राजकोषीय नीतियों को लागू करके, खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में सफलतापूर्वक कामयाबी मिली।

मंत्री ने विभाग की सक्रिय पहल की सराहना की जिसमें 140 नए मूल्य निगरानी केंद्रों की स्थापना शामिल है, जिससे कुल 550 मूल्य निगरानी केंद्र बन गए हैं जो सांकेतिक मूल्य की निगरानी और विश्लेषण करते हैं और इस तरह उपभोक्ताओं को खाद्य मुद्रास्फीति से बचाते हैं।

उन्होंने सभी उपभोक्ताओं के लिए रियायती मूल्य पर टमाटर और प्याज के साथ-साथ भारत दाल और भारत आटा उपलब्ध कराने में विभाग के हस्तक्षेप का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उपभोक्ताओं को मुद्रास्फीति से बचाने के लिए वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एनसीडीआरसी के अध्यक्ष अमरेश्वर प्रताप साही ने देश भर में व्यापक उपभोक्ता संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि मामलों की ई-फाइलिंग देश के हर कोने तक पहुंच योग्य होनी चाहिए, यह सुनिश्चित करना कि तकनीकी रूप से अक्षम उपभोक्ता भी ई-फाइलिंग के माध्यम से मामले दर्ज करने के लिए इसका उपयोग कर सकें।

भारत–दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट आज से, जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

सेंचुरियन ।

भारतीय टीम बाक्सिंग डे पर यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम ने आज तक दक्षिण अफ्रीका में कोई सीरीज नहीं जीती है। भारतीय टीम ने अपने इस दौरे मे यहां एकदिवसीय सीरीज जीती है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसका भी भारतीय टीम को लाभ होगा। भारतीय टीम ने अब तक साल 1992 से लेकर दक्षिण अफ्रीका में आठ सीरीज खेलीं हैं पर उसे एक में भी जीत नहीं मिली। ऐसे में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम यहां सीरीज में जीत दर्ज कर एक अहम उपलब्धि हासिल करना चाहेगी। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होने के कारण भी अहम है। इस मैच में बारिश की आशंका है और अगर ऐसा हुआ तो तेज गेंदबाज मैच पर हावी हो जाएंगे और बल्लेबाजों के लिए खेलना कठिन हो जाएगा। सेंचुरियन के मैदान पर पिच से तेजी और असमान उछाल मिलती है जिसमें बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा होगी। ऐसे में यहां भारतीय बल्लेबाजों को संयम से खेलना होगा। रोहित के पास ये सीरीज जीतकर दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने वाला पहला भारतीय कप्तान बनने का ये अच्छा अवसर है। दक्षिण अफ्रीका में इससे पहले भारतीय टीम को मोहम्मद अजहरुद्दीन , सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की कप्तानी में हुए दौरों में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद राहुल द्रविड़, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली की कप्तान में भारतीय टीम को यहां टेस्ट में तो जीत मिली पर सीरीज भारतीय टीम हार गयी। विराट कोहली सहित कुछ अनुभवी क्रिकेटरों का यह दक्षिण अफ्रीका का अंतिम दौरा हो सकता है और ऐसे में वे यहां बेहतर प्रदर्शन में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर टेम्बा बावुमा की कप्तानी में उतर रही मेजबान दक्षिण अफ्रीका को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसके पास कैसिगो रबाना और लुंगी एनगिडी सहित कुछ अच्छे तेज गेंदबाज हैं जो भारतीय बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल सकते हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की असली परीक्षा कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और गेराल्ड कोएत्ज़ी जैसे गेंदबाजों के सामने होगी। वहीं इसी प्रकार शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे युवा बल्लेबाजों को भी कठिन हालातों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहना होगा। वहीं शॉर्ट पिच गेंद अय्यर की कमजोरी मानी जाती रही हैं और उन्हें इससे पार पाने के लिए विशेष प्रयास करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

कुश्ती संघ पर बातचीत नहीं होगी, गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात पर बोले बृजभूषण सिंह

नई दिल्ली । करीब छह महीने तक मामला शांत रहने के बाद अब एक बार फिर से कुश्ती चर्चा में बना हुआ है। भारतीय कुश्ती संघ में विभिन्न पदों के लिए हुए चुनाव के नतीजे आने के बाद से कुश्ती संघ एक अखाड़ा बना हुआ है। एक तरफ जहां कुश्ती संघ के नए अध्यक्ष संजय सिंह और उनके मित्र पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह हैं, तो दूसरी तरफ वे पहलवान हैं, जिनकी वजह से बृजभूषण को पद छोड़ना पड़ा था और उन पर गंभीर आरोप लगे थे। इनमें बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक समेत कुछ अन्य पहलवान शामिल हैं। पहलवानों ने नए डब्लूएफआई अध्यक्ष संजय पर बृजभूषण के करीबी होने का आरोप लगाया है और उनका विरोध कर रहे हैं। दोनों ओर से वाद–विवाद का दौर जारी है और लगातार बयानबाजी हो रही है। इसी बीच बृजभूषण का एक नया बयान सामने आया है। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, वे(अमित शाह) हमें जब बुलाएंगे, हम तब उनसे मिलेंगे। वे हमारे नेता हैं, लेकिन यह मुलाकात कुश्ती के संबंध में नहीं होगी। हम कुश्ती संघ को लेकर कोई बातचीत नहीं करेंगे। संजय सिंह अपना काम कर रहे हैं, हम अपना काम करेंगे। कुश्ती संघ को लेकर बातचीत नए अध्यक्ष संजय ही करेंगे। मैं कुश्ती और खेल की राजनीति से पूरी तरह से संन्यास ले चुका हूं। आगे क्या करना है, यह फेडरेशन का काम है। मेरा इससे कोई लेना–देना नहीं है। इससे पहले भारतीय खेल मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया। उसने नवनियुक्त भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर दिया। इस साल पहलवानों के विरोध के बाद भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया था। उन पर महिला पहलवान के यौन शोषण का आरोप है। बृजभूषण के पद से हटने के बाद विभिन्न पदों के लिए चुनाव हुए और बृजभूषण के ही करीबी संजय सिंह अध्यक्ष पद का चुनाव जीत गए। संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के बाद दिग्गज पहलवान साक्षी मलिक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुश्ती से संन्यास का एलान कर दिया था। उनके बाद बजंरग पूनिया ने पद्मश्री लौटा दिया था। उनके अलावा हरियाणा के पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह ने पद्म श्री लौटाने का एलान कर दिया था। सरकार ने नियमों की अवहेलना के कारण कुश्ती संघ को निलंबित किया। नवनिर्वाचित निकाय ने पहलवानों को तैयारी के लिए पर्याप्त नोटिस दिए बिना अंडर–15 और अंडर–20 राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की जल्दबाजी में घोषणा की थी। खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, नए निकाय ने डब्ल्यूएफआई संविधान का पालन नहीं किया है। हमने फेडरेशन को समाप्त नहीं किया है, बल्कि अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। उन्हें बस उचित प्रक्रिया और नियमों का पालन करने की जरूरत है। सूत्र ने निलंबन के कारणों के बारे में आगे बताया। उन्होंने कहा, डब्ल्यूएफआई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने को जिस दिन अध्यक्ष चुना गया था उसी दिन उन्होंने घोषणा की थी कि कुश्ती के लिए अंडर–15 और अंडर–20 राष्ट्रीय मुकाबले नंदिनी नगर, गोंडा (यूपी) में होंगे। यह घोषणा जल्दबाजी में की गई है। डब्ल्यूएफआई के संविधान की प्रस्तावना के खंड 3 (ई) के अनुसार, डब्ल्यूएफआई का उद्देश्य अन्य बातों के अलावा कार्यकारी समिति द्वारा चयनित स्थानों पर यूडब्ल्यूडब्ल्यू नियमों के अनुसार सीनियर, जूनियर और सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने की व्यवस्था करना है।

ओलंपिक क्वालीफायर में हम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार : सलीमा

रांची । भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी सलीमा टेटे ने कहा कि ओलंपिक क्वालीफायर

मुकाबलों में टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर ओलंपिक के लिए प्रवेश हासिल करने का प्रयास करेगी। सलीमा के अनुसार अपनी ही धरती पर होने वाले इस टूर्नामेंट में उन्हें घरेलू माहौल मिलेगा जिससे उनके लिए खेलना आसान रहेगा। ऐसे में टीम जीत के साथ ही दर्शकों को खुशी का अवसर देने का पूरा प्रयास करेगी। साथ ही कहा कि इसमें अपने प्रदर्शन से हमें हॉकी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने का अवसर मिलेगा। मिडफील्डर सलीमा ने कहा कि 13 जनवरी से शुरू हो रहे ये मुकाबले बेहद अहम हैं। इनसे हमें 2024 पेरिस खेलों के लिए कट हासिल में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही ये खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के लिए अहम हैं। भारत सहित 8 टीम यहां पेरिस ओलंपिक के लिए तीन स्थान हासिल करने का प्रयास करेंगी। इसमें भारतीय टीम का मुकाबला पहले दिन अमेरिका से होगा। सलीमा ने कहा कि रांची में होने जा रहा इस टूर्नामेंट से हमें अपने पसंदीदा खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और जज्बे को दिखाने का मौका भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

ब्रिटिश अरबपति जिम रैटक्लिफ ने मैनचेस्टर यूनाइटेड क्लब की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड के प्रीमियर लीग का फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड पिछले कुछ दिनों से चर्चा में बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों से इस क्लब में कुछ हिस्सेदारी की नीलामी चल रही थी। कई ग्रुप ने इस दिग्गज फुटबॉल क्लब में हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि, जिस शख्स ने मैनचेस्टर यूनाइटेड में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदी है, उसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इस शख्स को बचपन से मैनचेस्टर यूनाइटेड में दिलचस्पी थी और इस टीम का बहुत बड़ा फैन है। जी हां, हम ब्रिटिश अरबपति जिम रैटक्लिफ के बारे में बात कर रहे हैं। रैटक्लिफ को फुटबॉल के अलावा फॉर्मूला वन और साइकिलिंग में भी काफी रुचि है। अब उनके अपने बचपन के पसंदीदा क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड में भी हिस्सेदारी हो गई है।

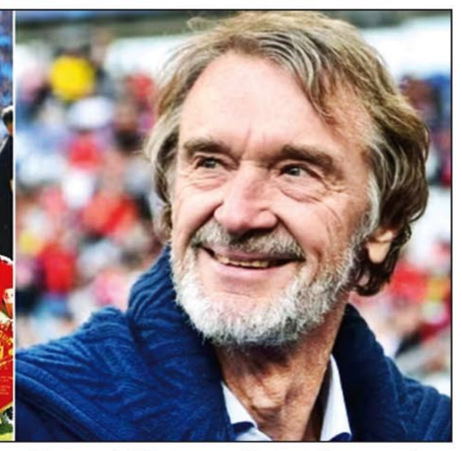

यह घोषणा की गई थी कि रसायन दिग्गज फर्म आईएनईओएस के संस्थापक ने एक लंबे संघर्ष के बाद प्रीमियर लीग के दिग्गज क्लब में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। आईएनईओएस इस साल की शुरुआत में यूनाइटेड को खरीदने की दौड़ में शामिल हो गया था। क्लब के मालिक, ग्लेजर परिवार ने कहा था कि वे सभी प्रस्तावों को सुनने के लिए तैयार हैं। पिछले साल चेल्सी को खरीदने के लिए असफल बोली लगाने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के फैन रैटक्लिफ लंबे समय से ओल्ड ट्रैफर्ड क्लब के साथ जुड़े हुए हैं।

71 वर्षीय रैटक्लिफ के पास पहले से ही खेल को लेकर एक प्रभावशाली पोर्टफोलियो है। उनकी पहले से ही फ्रांसीसी फुटबॉल क्लब नीस और स्विस टीम एफसी लुसाने–स्पोर्ट में हिस्सेदारी है। 2019 में, साइकिलिंग पावरहाउस टीम स्काई टीम आईएनईओएस ग्रेनेडियर्स बन गई। इस टीम ने 2019 में टूर डी फ्रांस जीता था। अगले साल रैटक्लिफ के फर्म आईएनईओएस ने मर्सिडीज फॉर्मूला वन टीम में एक तिहाई हिस्सेदारी खरीदा। रैटक्लिफ और आईएनईओएस ने फरवरी में मैनचेस्टर यूनाइटेड में बहुमत वाली हिस्सेदारी खरीदने के लिए अपनी बोली की पुष्टि की थी। वह इस नीलामी में कतर के बैंकर शेख जसीम बिन हमद अल थानी के साथ आगे बढ़े थे। हालांकि, आगे चलकर शेख जसीम ने नाम वापस ले लिया था।

अब जब रैटक्लिफ ने इस क्लब में हिस्सेदारी पा ली है, तो उन्होंने एक दशक में कुछ खास उपलब्धि नहीं करने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड को फिर से दुनिया का नंबर एक क्लब बनाने की बात कही है। हालांकि, रैटक्लिफ को वह नहीं मिला है जो वह चाहते थे। ग्लेजर्स अभी भी ओल्ड ट्रैफर्ड में बहुमत शेयरधारक हैं। ग्लेजर परिवार ने 2005 में इस फुटबॉल क्लब को खरीदा था। हालांकि, हाल के दिनों में इस क्लब पर भारी कर्ज ने इसे समर्थकों के बीच अलोकप्रिय कर दिया है। हालांकि, रैटक्लिफ का मानना है कि वह 2013 में एलेक्स फर्ग्यूसन के क्लब के 20 प्रीमियर लीग खिताबों में से आखिरी खिताब जीतने के बाद से यूनाइटेड को यूरोपीय फुटबॉल के शिखर पर ले जाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

रैटक्लिफ ब्रिटेन के सबसे धनी लोगों में से एक हैं। फोर्ब्स का अनुमान है कि उनकी कुल संपत्ति 23 बिलियन यूएस डॉलर की है। उन्होंने 1998 में आईएनईओएस की स्थापना की और कंपनी ब्रिटेन में एक औद्योगिक महारथी बन गई। यह फर्म 29 देशों में 194 जगहों पर फैला हुआ है। आईएनईओएस सालाना 65 बिलियन यूएस डॉलर की कमाई करता है और 26 हजार से अधिक लोगों को रोजगार देता है। रैटक्लिफ ने आईएनईओएस में विविधता लाने के लिए मोटर वाहन क्षेत्र में प्रवेश किया और आईएनईओएस ग्रेनेडियर बनाना शुरू किया। इसका उद्देश्य लैंड रोवर डिफेंडर का उत्तराधिकारी बनना है।

अपनी व्यावसायिक सफलता के बावजूद रैटक्लिफ एक पहेली बने हुए हैं। उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव पर स्कीइंग करने और मैटरहॉर्न पर चढ़ने वाले रैटक्लिफ रिस्क लेने से घबराते नहीं हैं, लेकिन उनका कहना है कि वह कभी भी अनावश्यक जोखिम नहीं उठाते। मैं कभी गैरजिम्मेदाराना जोखिम नहीं उठाता। उदाहरण के तौर पर मैं हवाई जहाज से कभी नहीं कूदूंगा, क्योंकि आप या तो जीते हैं या मर जाते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि किसी ने आपके पैराशूट को कितनी अच्छी तरह पैक किया है। हालांकि, रैटक्लिफ यूनाइटेड को कितना बड़ा जोखिम मानते हैं और वह मैनचेस्टर यूनाइटेड के भाग्य को बदलने में क्या भूमिका निभाते हैं, यह तो समय ही बताएगा।

लियोन 40 की उम्र में भी खेलें तो कोई हैरानी नहीं : मार्क

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन 40 साल की उम्र में भी टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। अगर भविष्य में ऐसा होता है तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान के खिलाफ 2011 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले नाथन लियोन 500 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई और कुल मिलाकर आठवें गेंदबाज हैं। लियोन ने पहले इंग्लैंड में 2027 एशेज तक बने रहने की अपनी इच्छा के बारे में बात की थी और तब तक वह 39 वर्ष के हो जाएंगे। मार्क टेलर ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि वह अभी भी बहुत एक्टिव हैं। मैंने हाल ही में उनसे बात की थी और उन्होंने शायद इंग्लैंड वापस जाने के बारे में बात की थी। अगर वह अभी भी इसका आनंद ले रहे हैं और

लगातार विकेट ले रहे हैं, तो वो 40 साल की उम्र में भी खेलें तो मुझे कोई आश्चर्य नहीं होगा। 123 मैचों में 501 विकेट के साथ लियोन वर्तमान में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने की सर्वकालिक सूची में मुथैया मुरलीधरन (800), शेन वार्न (708), जेम्स एंडरसन (690), अनिल कुंबले (619), स्टुअर्ट ब्रॉड (604), ग्लेन मैकग्राथ (563) और कर्टनी वॉल्श (519) के बाद आठवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच दूसरा टेस्ट 26 दिसंबर यानी बॉक्सिंग डे पर एमसीजी में शुरू होगा। पर्थ में श्रृंखला के शुरूआती मैच में पाकिस्तान को 360 रनों से हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1–0 की बढ़त बना ली है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोहित को बदलनी होगी अपनी शैली : गावस्कर

नई दिल्ली । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को अपनी शैली बदलनी होगी। रोहित अपने आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। विश्वकप में भी उन्होंने आक्रामक तरीके से ही खेला था पर गावस्कर का मानना है कि इस सीरीज में उन्हें अपनी शैली में बदलाव के लिए मानसिक रुप से तैयार रहना होगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है, यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होने के कारण भी अहम है। गावस्कर ने कहा कि रोहित शर्मा ने एकदिवसीय विश्व कप में आक्रामक रवैया अपनाया पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में उनको अपनी इस शैली में बदलाव करना होगा। रोहित विश्व कप फाइनल के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे। रोहित ने लगता है कि विश्वकप में मिली हार की निराशा को पीछे छोड़ दिया है क्योंकि वह टेस्ट की तैयारी में मग्न दिखे। विश्वकप में रोहित ने आक्रामक अंदाज में पारी शुरु की थी। तब उन्होंने निडर क्रिकेट खेला और विपक्षी गेंदबाजों पर शुरू से प्रहार किया लेकिन गावस्कर को लगता है कि रोहित को दक्षिण अफ्रीका में लाल कूकाबुरा गेंद के खिलाफ अपनी शैली को बदलना होगा।

पेशेवर खिलाड़ी निराशा से जल्द से जल्द उबरने की कला जानते हैं : द्रविड़

सेंचुरियन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिग डे पर शुरु रहे टेस्ट मैच से पहले कहा कि पेशेवर खिलाड़ी निराशा से जल्द से जल्द उबरने और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं। द्रविड़ ने ये बात ऑस्ट्रेलिया के हाथों विश्व कप फाइनल में मिली हार को लेकर कही क्योंकि केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी उसे मैच के बाद पहली बार कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरेंगे। द्रविड़ ने कहा कि वह दिल तोड़ने वाली हार थी पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आपको तेजी से आगे बढ़ना पड़ता है और हमारे सामने एक और अहम श्रृंखला है और यह सभी श्रृंखलाएं आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने को लेकर अहम होती हैं।द्रविड़ के अनुसार फाइनल की हार को स्वीकार करना आसान नहीं है पर सभी खिलाड़ी जानते हैं कि उसी को लेकर बैठने से आने वाले समय में परेशानियां बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि आपके पास निराशा में डूबे रहने के लिए समय नहीं होता। आपको उससे उबरकर आगे बढ़ना होता है और हमारे खिलाड़ियों ने ऐसा बहुत अच्छी तरह से किया है। हम निराश थे पर अब हम उससे आगे बढ़ गये हैं। मुझे लगता है कि हमारी एकदिवसी टीम ने इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन किया है।

द्रविड़ ने कहा कि खिलाड़ी निराशा से उबरकर आगे बढ़ने में कुशल होते हैं क्योंकि उन्हें बचपन से ही ऐसा करना सिखाया जाता है। आपको इससे बाहर निकलना होता है क्योंकि आप लंबे समय तक निराशा के साथ नहीं जी सकते हैं। भारतीय टीम ने आज तक दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है और ऐसे में भारतीय टीम को लक्ष्य यहां जीत दर्ज करना रहेगा। द्रविड़ ने साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीका के विकेट इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की तुलना में अलग होते हैं। इसलिए टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा कि आंकड़ों के लिहाज से देखें तो यहां खेलना आसान नहीं होता है पर हमने यहां पूर्व में अच्छा प्रदर्शन भी किया है।

पाक तेज गेंदबाजी के गिरते स्तर से वकार निराश

लाहौर ।

पाकिस्तान के पूर्व महान तेज गेंदबाज वकार यूनिस टीम के तेज गेंदबाजी स्तर के लगातार नीचे जाने से निराश हैं। वकार ने कहा कि टीम के गेंदबाजों की रफ्तार लगातार घटती जा रही है। इसी कारण वे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये। इसी कारण पाक टीम को पर्थ में हुए पहले टेस्ट में 360 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में पाक की ओर से शाहीन शाह अफरीदी, खुर्रम शहजाद, आमिर जमाल और फहीम अशरफ ने गेंदबाजी की कमान संभाली थी। उन्होंने कुछ हद तक अपनी गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को रोका पर वह उन्हें अपनी गति से परेशान नहीं कर पाये। कोई भी गेंदबाज टेस्ट में लगातार 140 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की गति से गेंद नहीं फेंक पाया।

वकार ने पाक गेंदबाजों की गति को मध्यम गति बताया। उन्होंने कहा कि एक और चीज जिसकी मुझे चिंता है, वह यह है कि जब भी हम ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, तो हमें तेज गेंदबाजी उत्साहित करती है। लेकिन इस बार वह दिख नहीं रही है। मैं मध्यम गति के गेंदबाज या धीमी–मध्यम गति के गेंदबाज, ऑलराउंडर्स देख रहा हूं, कोई वास्तविक तेज गति नहीं है। पहले लोग हमारे तेज गेंदबाजों को 150 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करते देखते थे। लेकिन इस बार मैं ऐसा नहीं देख

रहा। वकार ने कहा कि यह मेरी चिंता का कारण है क्योंकि मैंने इसे घरेलू स्तर पर भी तेज गेंदबाजी नहीं देखी है। मैं समझ सकता हूं, लेकिन अतीत में, आपने हमेशा तेज गेंदबाजों की एक सीरीज देखी थी पर बदकिस्मती से अब ऐसा नहीं है। वकार ने शाहीन की गति में कमी पर चिंता व्यक्त की और कहा कि अगर उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो उन्हें मध्यम तेज गेंदबाज बनने के बजाय कुछ समय लेने और उन्हें ठीक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं वास्तव में निश्चित नहीं हूं कि उसके साथ क्या गलत हुआ है।वकार ने कहा कि अगर वह फिट नहीं है, अगर उसे कुछ समस्याएं हैं, तो उसे खेल से दूर जाने और उसे ठीक करने की जरूरत है क्योंकि अगर आप इसी तरह जारी रखेंगे तो आप मध्यम गति के गेंदबाज बन जाएंगे।

अल्टीमेट खो–खो सीजन 2 का जबरदस्त आगाज

पहले मैच में ओडिशा जगरनॉट्स तो दूसरे में तेलेगु वारियर्स ने मारी बाजी

कटक।

अल्टीमेट खो–खो सीजन 2 के उद्घाटन मुकाबले में मौजूदा चैंपियन ओडिशा जगरनॉट्स धमाकेदार अंदाज से शुरू किया है। पहले मैच में ओडिशा जगरनॉट्स राजस्थान वॉरियर्स को 35–27 से हराया है, जबकि दुसरे मुकाबले में तेलेगु वॉरियर्स ने मुंबई खिलाड़िस को 46–44 प्वाइंट्स से हराकर इस सीजन दो की शुरुआत किया। कटक के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में इस लीग का उद्घाटन के बाद दो मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में अपने हरफनमौला खेल की अंदाज के बदौलत मेजबान ओडिशा जगर्नॉट्स ने जीत हासिल किया। पहली पारी 19–10 से ओडिशा के नाम रहा। राजस्थान ने टॉस जीतकर डिफेंड करने का फैसला किया और पहले बैच में विजय हजारे, दिलराज सिंह सेंगर और जगन्नाथ मुर्मू को भेजा।

दो मिनट से भी कम समय में 6-0 की लीड ले ली ओडिशा

ओडिशा ने पहले टर्न में इन तीनों को दो मिनट से भी कम समय में आउट कर 6–0 की लीड ले ली। इसके बाद नंदन, बी. राजू और अक्षय गोनपुले मैट पर आए। ओडिशा ने पावरप्ले के साथ इनका सामना किया और इसका भरपूर इस्तेमाल करते हुए 2.33 मिनट शेष रहते 10–0 की लीड ले ली। अगला बैच कप्तान मजहर जामदार, सौरव गडे और निलेश पाटिल खेलने आए। वह ड्रीम रन हासिल नहीं कर पाए। इस टर्न की समाप्ति तक ओडिशा ने 16–0 की लीड ले ली। दूसरे टर्न में ओडिशा डिफेंड करने उतरे। इसमें गौतम, विशाल और रोहन पहले बैच में आए। इसी बीच

राजस्थान ने स्काई डाईव से दो अंक जुटा लिए। रोहन ने मैच के पहले ड्रीम रन के साथ ओडिशा को एक अंक दिलाया। 3.41 मिनट शेष रहते रोहन हालांकि आउट हो गए। स्कोर 17–6 हो गया था। फिर दूसरे मैच में निखिल, दिपेश और दिलीप मैट पर आए और राजस्थान ने पावरप्ले लिया, लेकिन दिपेश और दिलीप ने ड्रीम रन पूरा किया और फिर इन दोनों ने एक और बोनस के साथ स्कोर 19–10 कर दिया। पावरप्ले के बावजूद 5 खिलाड़ियों को आउट कर सका राजस्थान राजस्थान का डिफेंस पावरप्ले के बावजूद सिर्फ पांच खिलाड़ियों को आउट कर सका। टर्न–3 में राजस्थान के लिए चौथे बैच के रूप में प्राज्वल, रंजन और रिषभ डिफेंड के लिए आए। प्राज्वल और रंजन को सवा मिनट में आउट कर ओडिशा ने 23–10 की लीड ले ली। फिर 4.53 मिनट शेष रहते ओडिशा ने रिषभ का शिकार कर लीड 15 की कर ली। अगले बैच में दिलराज, विजय और जगन्नाथ आए। इनके पास बोनस का मौका था और दिलराज ने बोनस दिला दिया। इस बैच को आउट कर ओडिशा ने 20 अंकों की लीड ले ली। तीसरे बैच के लिए ओडिशा ने पावरप्ले लिया। डेढ़ मिनट बचे थे। अक्षय नाबाद रहे और इस टर्न की समाप्ति ओडिशा ने 35–11 से की। ओडिशा ने इस टर्न में 16 अंक निकाले। चौथे टर्न में अक्षय, ओमकार और अविनाश ओडिशा के लिए डिफेंड करने आए। न तीनों को 2.21 मिनट में आउट कर राजस्थान ने स्कोर 17–35 कर दिया। जीत के लिए उसे लंबा रास्ता तय करना था। अगले बैच में महेशा, दीपक और मनोज आए। इस बैच को 2.10 मिनट में स्काई डाइव से आउट कर राजस्थान ने स्कोर 23–35 कर दिया। अब 2.25 मिनट बचे थे। तीसरे बैच में पावरप्ले का सामना करने रोहन, विशाल और गौतम आए। इस बैच से राजस्थान सिर्फ दो खिलाड़ियों को आउट कर सके और इस तरह ओडिशा ने यह मैच 8 अंक से जीत लिया।दूसरे मैच में तेलुगु योद्धा और मुंबई खिलाड़ी के बीच करीबी मुकाबला देखने को मिला। तेलुगु योद्धा के लिए राहुल मंडल (14 अंक) ने एक्शन से भरपूर खेल में सबसे अधिक अंक बनाए, जबकि प्रतीक वारिकर ने भी 10 अंक जुटाकर अपनी टीम को करीबी जीत दिलाई।

टिप्स

कुछ हफ्तों में ही दूर होंगे स्ट्रेच मार्क्स, अपनाएं ये असरदार उपाय

वजन कम करने के बाद कुछ महिलाओं को स्ट्रेच मार्क्स (Stretch Marks) की समस्या झेलनी पड़ती है। यह मार्क्स कई कारणों से हो सकते है। अचानक वजन कम या डिलवरी के बाद वजन कम होने के बाद महिलाओं में यह समस्या देखने को मिलती है। ये शरीर के किसी भी अंग जैसे पेट, हाथ,पैरों की पिंडलियों या जांघ आदि पर हो सकते हैं। इनसे छुटकरा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ट्रीटमेंट और क्रीस का सहारा लेती है लेकिन इनसे स्ट्रेच मार्क्स के निशान दूर नहीं होते है।

अंडा:- स्ट्रेच मार्क्स वाली जगह को अच्छी तरह साफ करके वहां एग व्हाइट लगा उसे सूखने दें। इसके बाद ठंडे पानी से इसे साफ करके जैतून के तेल से मालिश करें। 2 हफ्ते तक ऐसा करने से स्ट्रेच मार्क्स गायब हो जाएंगे।

आलू का रस:- आलू को लैंड करके उसका जूस निकाल कर स्ट्रेच मार्क्स वाली जगहें पर लगाएं। इसके अलावा आप आलू की मोटी स्लाइस को स्ट्रेच मार्क्स पर रब भी कर सकते है। 3 हफ्ते इसे लगाने से निशान दूर हो जाएंगे।

एलोवेरा: एलोवेरा जेल को 15 मिनट तक स्ट्रेच मार्क्स वाली जगहें पर लगाकर ठंडे पानी से साफ करें। इस नेचुरल तरीके से आपको स्ट्रेच मार्क्स से कुछ हफ्ते में ही छुटकारा मिल जाएगा।

मसाज करना: जैतून, अरंडी, बादाम, नारियल, एवोकाडो और वीट जर्म आयल से 10 मिनट मसाज करने से भी स्ट्रेच मार्क्स गायब हो जाते है। इसके अलावा आप कोकोआ मक्खन और शिया मक्खन से भी मसाज कर सकती है।

धीरे-धीरे वजन कम करना: तेजी से वजन कम करने के कारण भी त्वचा पर स्ट्रेच मार्क्स पड़ जाते है। इसलिए तेजी की बजाए धीरे-धीरे वजन कम करें। इसके अलावा वजन कम करते समय जंक फूड और शुगर से दूर रहें।

बॉडी हाइड्रेट करना: मोटापा कम करते समय शरीर को हाइड्रेट से स्ट्रेच मार्क्स नहीं पड़ते। इसके लिए वजन कम करते समय दिन में 3-4 लीटर पानी, हर्बल चाय, फ्रूट जूस और वेजिटेबल जूस का सेवन करें।

पोशाक को लेकर युवाओं में बढ़ता फैशन का क्रेज

फैशन को लेकर युवा पीढ़ी कुछ ज्यादा ही संजीदा है। वक्त के साथ बदलते फैशन पर यह पीढ़ी न सिर्फ नजर रखती है। समय बदलने के साथ फैशन ट्रेड पर नजर रखना और उसे अपनाने की होड़ में यह सबसे आगे रहते है। जूते परिधान का अहम हिस्सा होते हैं। सही जूतों के बिना स्टाइल स्टेटमेंट अधूरा ही रहता है। हालांकि जूते का सबसे जरुरी काम पैरों को गंदगी और चोट आदि से बचाना है, लेकिन ये सुरक्षा व सहूलियत के अलावा आपके स्टाइल स्टेटमेंट और पूरे पहनावे को पूर्णता प्रदान करते हैं। जूतों के अलग-अगल डिजाइन का प्रयोग अब केवल महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी अलग-अलग डिजाइन के जूतों को प्रयोग अलग-अलग मौकों पर करते हैं।टीवी सीरियल या सिनेमा में कोई भी नया फैशन आया नहीं कि युवाओं को इसे अपनाने में देर नहीं लगती। जाहिर सी बात है कि समाज में अपने आप को बनाये रखने के लिये जमाने के साथ चलना है। इस बात का भी डर है कहीं पिछड़ न जायें। युवक बाइक, कार, कपड़ों के साथ मैचिंग के जूते, चप्पल, हेयर कट, पर्स, हेयर पिन, ज्वैलरी आदि बहुत सी चीजें हैं। जिसे लेकर युवा दीवानगी की हद तक गुजर जाने को तैयार रहते हैं। युवकों में डिजाइनदार और लेटेस्ट स्पोर्ट शू की मांग ज्यादा है। फैशन के हिसाब से मांग बढ़ती और घटती रहती है। लड़के हों या लड़कियां जींस की मांग सबसे ज्यादा है। साथ ही लड़कियों में लेगीज कुर्ती की भी खूब मांग है। अक्सर ऐसा होता है कि बाजार में नये डिजाइन आते ही मांग शुरू हो जाती है।

मौकों के हिसाब से जूतों का चुनाव

यदि मौके के हिसाब से आपका फुटवेयर सुंदर है तो यह आपके स्टाइल और लुक में में चार चांद लगा देगा। यूं तो हर स्टाइल का जूता अपने आप में खास होता है और यह खास किस्म के ड्रेसिंग और अवसर के लिए ही उपयुक्त होता है।

क्यों है सही चुनाव ज़रूरी

कई बार आपको संड़े के दिन भी ऑफिशियल काम पर जाना पड़ सकता है, या फिर कोई हाफ-फार्मल-हाफ-कैजुअल वाले इवेंट को भी अटैंड करना पड़ सकता है। तो ऐसे में दुविधा में न पड़ जाते कि फार्मल पहनें या लोफर, या फिर कैजुअल। एक ऐसा वार्डरोब बनाएं जो हर अवसर के लिए आपकी जरूरतों को पूरा करे। ये आपको आखिरी समय की कशमकश से बचाएगा।

फॉर्मल लेदर शूज

फॉर्मल लेदर शूजजब भी टक्सीडो के लिए उपयुक्त जूते की बात आती है तो विकल्प काफी कम नज़र आते हैं। सूट के साथ पहनने वाले जूतों के बनिस्पद आप नहीं चाहेंगे कि आपके शूज़ में अतिरिक्त सिलाई हो। फॉर्मल शूज को फीतों के अलावा पूरी तरह से प्लेन होना चाहिए और वे चमकदार भी होने चाहिए। लेकिन अगर आप पैटेंट लेदर में सहज महसूस नहीं करते हैं तो चमकरहित काले लेदर के जूते भी पहन सकते हैं।

बिजनेस शूज

सूट के साथ जूते पहनने का पहला नियम है कि जूते लेदर के हों, न सिर्फ ऊपरी हिस्सा बल्कि सोल भी। ऐसे जूते न पहनें जिनका ऊपरी हिस्सा लेदर का और सोल भद्दे रबर का। लेदर के जूते की तुलना में ये उतने फार्मल नहीं होते हैं। फीते वाले जूते को पुरुषों के लिए बेस्ट फार्मल माना जाता है।

बिजनेस कैजुअल शूज

जब बात बिजनेस कैजुअल शूज की आती है तो मामला काफी अलग हो जाता है। पिकनिक, फार्मल संडे ब्रंच आदि कई ऐसे मौके होते हैं जहां जींस और ब्लेजर के साथ सेमी फार्मल पहनना पड़ता है। तो अगर आप कैजुअल पैंट, डेनिम या शॉर्ट्स पहनेंगे तो आपका ड्रेस शूज काम नहीं आएगा। तो अगर आप कैजुअल ड्रेस में प्रोफेशनल लुक भी चाहते हैं तो लेदर से बने बूट शूज या लोफर पहन सकते हैं।

सफर के दौरान शूज

सफर के दौरान लोफर को फार्मल जूता बनाया जा सकता है। सफर करने वाले प्रोफेश्नल्स के लिए लोफर शूज सबसे अच्छे होते हैं। ये बेहद आरामदेह होते हैं और आप इन शूज को आसानी से खोल और पहन सकते हैं। लोफर शूज जींस और पैंट के साथ भी बेहतरीन लुक देते हैं।

वर्कआउट के हिसाब से शूज

वर्कआउट के समय इसके हिसाब से ही जूते चुनें। जैसे दौड़ने वाले जूते बास्केटबॉल और टेनिस के जूतों से अलग होते हैं। वहीं दौड़ते वक्त ऐसे जूते पहने जो आपके पैरों को सही ग्रिप और घुटनों को सही सपोर्ट दें। हमेशा ऐसे जूते चुनें जिनकी ग्रिप अच्छी हो, वे पैरों में अच्छे से फिट हों और उनका वजन भी अधिक न हो।

आहार

सर्दियों में खाएंगे शकरकंद तो मिलेंगे ढेरों फायदे

सेहत को अच्छा रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना बहुत जरूरी है। बहुत से लोग फिटनेस के लिए एक्सरसाइज और योग का सहारा लेते हैं लेकिन जब तक अच्छी डाइट को आहार में शामिल नहीं करेंगे कोई फायदा नहीं होगा। सर्दी के मौसम में लोग शक्कंदी यानि स्वीट पोटैटो खाना बहुत पसंद करते हैं। इसकी चटपटी चाट खाने में जितनी टेस्टी होती है सेहत के लिए भी उतनी ही फायदेमंद भी है। आप शक्करकंदी को उबालकर या भून कर खा सकते है। आइए जानें इसके गुणों के बारे में।

विटामिन का खजाना शकरकंद में

शकरकंद में काबरेहाइड्रेट, फाइबर, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन सी मिलता है। इसकासेवन करने से बहुत-सी समस्याओं से बचा जा सकता है।

बच्चों का शारीरिक विकास

बढ़ते हुए बच्चों के लिए शकदकंदी बहुत जरूरी होती है। अगर बच्चों की ग्रोथ अचानक रुक जाए तो को शकरकंद का सेवन करवाना शुरू कर दें। इससे बच्चों को सारे पोषक ततेव आसानी से मिलेगे और शारीरिक विकास भी अच्छी तरह से होगा।

आंखों की समस्या से छुटकारा

इसमें विटामिन ए की भरपूर मात्र पाई जाती है जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। कुछ लोगों को रात के समय कम दिखाई देता है। शक्कंदी खाने से इस समस्या से राहत मिलती है।

दिल और हड्डियां मजबूत

दिल और हड्डियां मजबूतआजकल लोगों में दिल और हड्डियों की परेशानी आम सुनने को मिल रही है। इसे खाने से हड्डिया मजबूत होती है और दिल की बीमारियों से भी राहत मिलती है।

जीतना है सास का दिल तो अपनाएं ये आसान ट्रिक

सास और बहू के रिश्ते में तकरार और नोक-झोंक के साथ-साथ प्यार भी होता है। इसके बावजूद भी शादी से पहले लड़कियां सोचती है कि किस तरह से सास का दिल जीता जाए। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं। आज हम आपको शादी के बाद किन आसान तरीकों से आप अपनी सास का दिल आराम से जीत सकती है।

तुलना करना

अपनी सास का दिल जीतने के लिए उनकी तुलना अपना मां से न करें। इसकी बजाए आप अपनी सास को उन्ही की तरह समझने की कोशिश करें।

तारीफ करना

तारीफ सुनना तो हर महिला को पंसद होता है। ऐसे में अपनी सास को थोड़ा सा मक्खन लगा कर आप उन्हें अपनी तरफ कर सकती है।

गिफ्ट देना

अपनी सास को खुश रखने के लिए किसी फंक्शन या विदाउट फंक्शन कोई अच्छा सा गिफ्ट देती रहें। इससे आपकी सास भी आपके प्यार को समझने लगेगी।

बातें शेयर करना

सास को मां की तरह ही समझ कर उनसें हर बात शेयर करने से आपके बीच विश्वास बढ़ेगा और रिश्ता मजबूत होगा। इसके अलावा ससुराल में किसी तरह की समस्या होने पर भी पहले सास के साथ बात करें।

सलाह लेना

कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेने से पहले अपनी सास से सलाह जरूर लें। इससे आप दोनों के रिश्ते में विश्वास के साथ-साथ मजबूती भी आएगी।

मिलकर करें किचन का काम

आजकल की ज्यादातर महिलाएं शादी के बाद भी ऑफिस जाना पंसद करती है। ऐसे में अपनी सास के लिए थोड़ा सा टाइम निकाल कर किचन में हाथ बढ़ाए। इससे आपकी सास खुश हो जाएगी।

सीरियल्स की बाते

अक्सर सास को टीवी सीरियल्स की बात करने के लिए कोई ना कोई चाहिए होता है। ऐसे में आप उनसे सास-बहू सीरियल्स की बात करके उनके और भी करीब आ सकती है।

हर बात मानना

सास की हर छोटी-बड़ी बात मान कर भी आप अपनी सास को खुश कर सकती है। क्योंकि हर सास चाहती है कि उसकी बहू उनकी हर बात को सुनें और मानें।

ऐसे सजाएं अपनी आंखों को

आज कल सभी महिलाएं अपने आप को खूबसूरत देखना चाहती हैं। आंखे चेहरे की खूबसूरती का एक अहम हिस्सा है, आंखों की खूबसूरती से चेहरे पर एक अलग ही निखार आ जाता है और आप अधिक सुन्दर दिखती हैं। अगर आंखों का मेकअप सही ढंग से किया गया है तो चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लग जाती है। आंखों के मेकअप के लिए हर मौसम में बेज, गोल्डन और लाइलैक शेड्स बेस्ट होते हैं। इनके साथ टरक्वायज और फूशिया कलर आंखों को खास आकर्षण देता है.इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे आंखों के मेकअप के कुछ महत्वपूर्ण ट्रिक्स और टिप्स-

आंखों पर नेचुरल मेकअप के लिए न्यूट्रल शैडो को प्रयोग करें। इसे आइलिड की क्रीज पर यानी आइरिस के ऊपर लगाएं। अगर कोई अन्य कलर ऐड करना चाहती हैं तो वनीला या लाइट कलर से एक स्ट्रोक दें. अच्छी तरह ब्लेंड करें। दोबारा लिड पर लाइट कलर से स्ट्रोक दें। फिर थोडा डार्क कलर क्रीज लाइन पर लगाएं। अपर और लोअर लैश लाइन पर भी डार्क कलर से कवर दें।

ब्राउन आइलाइनर आंखों के भीतरी कोने से थोडी दूर से शुरू करते हुए बाहरी कोनों से थोडा बाहर तक लगाएं। ताकि आंखें बडी और आकर्षक नजर आएं।

डिफाइनिंग मस्कारा लगाना न भूलें। इसका डबल कोट लगाएं। मस्कारा लगाने से पहले लैश को कर्ल जरूर कर लें।

फैट क्रेयान पेंसिल का इस्तेमाल करें, जो क्रीमी पाउडर टेक्सचर वाली हो। ताकि फैलाने में आसान हो। अपना आई पेंसिल शार्पन करने से पहले फ्रीज कर लें ताकि वह टूटे नहीं।

आंखों के चारों और लाइनर लगा लेने से वे छोटी नजर आती हैं न कि बडी। तो लगाते समय इस बात का ध्यान रखें।

स्मोकी आई लुक मेकअप

स्मोकी आईलुक देने के लिए आंखों में सबसे पहले ब्लैक कलर का काजल और आईलाइनर लगाये। फिर उसके बाद ब्लैक और ब्राउन आईशैडो को एक साथ मिलाकर आईलिड पर लगाएं। अब इसके बाद व्हाइट गोल्ड या कापर कलर से हाईलाइटिंग करें और ऊपर-नीचे की पलकों पर मस्कारा लगाएं।

पिकौक टच आई मेकअप

आंखों को पिकौक टच का लुक देने के लिए आप सबसे पहले मोटा और डार्क काजल और आईलाइनर लगाएं। उसके बाद पर्ल और ग्रीन कलर के आईशैडो को आपस में मिलाकर आईलिड पर लगाएं। आईशैडो को आंखों के चारों तरफ लगाएं यानि काजल के नीचे भी हल्का सा लगाइये। अब इसके बाद ऊपर और नीचे की पलकों में ब्लैक और ग्रीन शेड का मस्कारा एक-एक करके लगाएं। इस तरह आप की आंखे पिकौक टच के साथ आपका खूबसूरती को ऐर बढ़ा देगी।

रेसिपी

क्रिस्पी वेज आमलेट

सामग्री

बेसन: 1 कप, हल्दी: 1/4 टीस्पून
अजवाइन: 1/4 टीस्पून, नमक: स्वादनुसार
पानी: आधा कप, प्याज: 1/2 (बारिक कटा हुआ)
धनियां:2 टेबलस्पून
टमाटर: 1/2 (बारिक कटा हुआ)
अदरक:1 इंच (बारिक कटी हुई)
हरी मिर्च: 1 (कटी हुई)
ऑयल: 5 टीस्पून

विधि

एक बाउल में बेसन, हल्दी, अजवाइन, नमक और पानी डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके 30 मिनट के लिए मेरिनेट होने के लिए रख दें। इसके बाद इसमें प्याज, टमाटर, धनिया, अदरक और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। एक पैन में हल्का सा ऑयल डालकर इसे फैला कर आमलेट की तरह कुक करें। आपका बेज आमलेट बन कर तैयार है। अब आप इसे हरी चटनी के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

स्प्राउटस् सेन्डविच

सामग्री

8 गेहूं के ब्रेड के स्लाईस, 8 प्याज़ के स्लाईस, 2 स्पून लो-फैट मक्खन, 1 कप उबले मिले-जुले अंकुरित दाने, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 2 स्पून अदरक-लहसुन पेस्ट, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 स्पून पाव भाजी मसाला, 2 स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 स्पून काला नमक, 1 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू

विधि

स्प्राउटस् मिश्रण के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट या उनके पारदर्शी होने तक भून लें। अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। पाव भाजी मसाला, धनिया-ज़ीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, काला नमक, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें और आलू डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें के मिश्रण को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक गेहूं के ब्रेड स्लाईस को सूखे समतल जगह पर रखें और अंकुरित दानें के मिश्रण के एक भाग को उपर फैला लें। 2 प्याज़ के स्लाईस रखकर दूसरे ब्रेड स्लाईस से सेन्डविच बना लें। ग्रिलर को गरम करें और सेन्डविच को 1/2 टी-स्पून लो-फैट मक्खन के साथ सेन्डविच दोनो तरफ से के सुनहरा और करारा होने तक ग्रिल कर लें। दोहराकर 3 और सेन्डविचस् बना लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**